मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 121
बुधवार, 12 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बिहार ने रचा इतिहासः 63 साल बाद 67% मतदान, पिछले 4 चुनाव में महिलाओं ने वोटिंग में पुरुषों को पछाड़ा

पटना, 11 नवम्बर। देश की आजादी के उपरांत बिहार विधानसभा चुनाव में 2025 में मतदाताओं ने इतिहास रच दिया। पहली बार रिकॉर्ड 67 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया है। पहले चरण में छह नवंबर को 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं, मंगलवार को दूसरे चरण में 68.89 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। इसके साथ ही सभी 243 विधानसभा क्षेत्र में छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि रात नौ बजे बताया कि दूसरे चरण के करीब दो हजार बूथों से अभी आंकड़े लिया जाना शेष है। देर शाम तक मिले आंकड़ों के अनुसार, दूसरे चरण वाले 20 जिले में सर्वाधिक कटिहार में 78.63, किशनगंज में 78.06 एवं पूर्णिया में 76.04 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि बंपर वोटिंग पीछे एनडीए सरकार की ओर से जीविका समूह से जुड़े महिलाओं को मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत हर परिवार की महिला को 10 हजार रुपये एवं लगभग दो करोड़ परिवार को प्रतिमाह 125 यूनिट बिजली मुफ्त दिया जाना है। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य कारण भी है।

मतदान कार्य में 1.80 करोड़ हजार से अधिक जीविका दीदी व महिला कार्यकताओं को पर्दानशीं महिलाओं की पहचान के लिए लगाया गया था। मतदान के उपरांत हर बूथ पर उपस्थित चुनाव एजेंट को फार्म-सी दिया गया जिसमें मतदान से संबंधित सभी सूचनाएं दर्ज हैं। सभी बूथों पर लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए गए मतदाता जागरूकता अभियान के साथ ही मतदान प्रतिशत बढ़ने के पीछे वैसे तो कई कारण बताए जा रहे हैं। किंतु, इनमें 2 मुख्य हैं।

पहला व मुख्य कारण दिवाली एवं छठ में विभिन्न राज्यों में प्रवास करने वाले मतदाताओं के लिए दीवाली एवं छठ पर 13 हजार से अधिक ट्रेनें चलाने एवं आए हुए लोगों का मतदान के लिए रुकना है।

दूसरा मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के अतिरिक्त राजनीतिक दलों की ओर मतदाताओं को दिए गए लाभ एवं घोषणा वगैरह सम्मिलित है।

एग्जिट पोल में बिहार में एनडीए की स्पष्ट जीत के संकेत, महागठबंधन के लिए निराशा

पटना, 11 नवम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान समाप्त होने के साथ ही, एग्जिट पोल ने एनडीए गठबंधन के 130 से 160 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत के साथ वापसी की भविष्यवाणी की है। बिहार में बदलाव लाने के अपने तमाम वादों के बावजूद, महागठबंधन केवल 70 से 100 सीटों तक ही सिमट सकता है। पीपुल्स पल्स पोल सर्वे में कहा गया है कि एनडीए को 133-159 सीटें मिल सकती हैं, महागठबंधन को लगभग 75-101 सीटें मिलेंगी, जबकि जन सुराज को 0-5 सीटें और अन्य को 2-8 सीटें मिल सकती हैं।

दैनिक भास्कर पोल के अनुसार, एनडीए को 145-160 सीटें मिल सकती हैं, महागठबंधन को 73-91 सीटें मिल सकती हैं, जन सुराज का खाता खुलने की संभावना नहीं है, अन्य दल और निर्दलीय 5-10 सीटें जीत सकते हैं। डीवीसी रिसर्च पोल सर्वे के अनुसार, एनडीए को 137-152 सीटें, महागठबंधन को 83-98 सीटें, जन सुराज को 2-4 सीटें और अन्य को 4-8 सीटें मिलने का अनुमान है। [7:01 ढट,

वही मैट्रिज की बात करें तो यहां एनडीए को 147 से 167 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही है जबकि महागठबंधन के खाते में 70 से 90 सीटें जा सकती है।

जनसुरज को पांच जबकि अन्य के खाते में 10 सीटें जाती हुई दिखाई दे रही है। इसके अलावा पीपल्स इनसाइड की बात करें तो 133 से 148 एनडीए, महागठबंधन को 87 से लेकर 102 तक, जन स्वराज 0 से दो और अन्य को 3 से 6 सीटें मिल सकते हैं। पी मार्क के अनुसार 142 से 162 सीटें एनडीए के खाते में जा सकती है। 80 से 98 सीटें महागठबंधन के खाते में जा सकती है। एक से चार सीटें जन सुराज जबकि अन्य के खाते में शून्य से तीन सीटें जा सकती हैं। इस बीच, चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मंगलवार शाम 5 बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे अधिक मतदान किशनगंज जिले में 76.26 प्रतिशत दर्ज किया गया, इसके बाद कटिहार में 75.23 प्रतिशत, पूर्णिया में 73.79 प्रतिशत, सुपौल में 70.69 प्रतिशत, पूर्वी चंपारण में 69.02 प्रतिशत और बांका में 68.91 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनाव आयोग के वोटर टर्नआउट एप्लिकेशन के अनुसार, शाम 5 बजे तक नवादा में सबसे कम 57.11 प्रतिशत मतदान हुआ। अररिया में 67.79 प्रतिशत, अरवल में 63.06 प्रतिशत, औरंगाबाद में 64.48 प्रतिशत, भागलपुर में 66.03 प्रतिशत, जहानाबाद में 64.36 प्रतिशत, कैमूर (भभुआ) में 67.22 प्रतिशत, पश्चिम चंपारण में 69.02 प्रतिशत और गया में 67.50 प्रतिशत मतदान हुआ।

तमिलनाडु-बंगाल में एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका, चुनाव आयोग को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु, बंगाल और पुडुचेरी में मतदाता सूची विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने वाली याचिकाओं पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। चुनाव आयोग को दो सप्ताह में जवाब देना है। इसके साथ ही कोर्ट ने देश के विभिन्न हाई कोर्टों से अनुरोध किया है कि वे फिलहाल एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टाले रहें।

मामले पर कोर्ट 26 नवंबर को फिर सुनवाई करेगा। जस्टिस सूर्यकांत और जोयमाल्या बाग्ची की पीठ ने तमिलनाडु, बंगाल, पुडुचेरी सहित कुछ अन्य जगहों पर एसआइआर को चुनौती देने वाली छह याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कहा कि आप लोग इतने आशंकित क्यों हैं। आप ऐसे कर रहे है जैसे पहली बार मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण हो रहा हो।

एसआईआर को लेकर याचिकाकताओं की आशंकाओं पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक संस्था काम कर रही है। कुछ प्रक्रियात्मक कमियां हो सकती हैं, कोर्ट उसे देखेगा। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि अगर वह उनसे संतुष्ट होगा तो प्रक्रिया रद भी कर सकता है। इसके अलावा कोर्ट ने गैर सरकारी संगठन एडीआर की ओर से बिहार एसआईआर मामले में कुछ निर्देश मांगने वाली अर्जी पर भी चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा है।

कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा है कि वह एसआईआर के संबंध में सभी राज्यों की स्थिति को ध्यान में रखे। पीठ ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि हर राज्य की स्थितियां भिन्न हो सकती हैं। कहीं साक्षरता दर ज्यादा है तो कहीं कम, जैसे बिहार में लोग बाहर नौकरी करने जाते हैं आदि। चुनाव आयोग ने नोटिस स्वीकार करते हुए दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने की हामी भरी। कोर्ट ने मामले को 26 नवंबर को सुनवाई पर लगाने का आदेश देते हुए चुनाव आयोग से 24 नवंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है।

भविष्य के हर युद्ध का फैसला अब तकनीक करेगी, भूगोल नहीं: अनिल चौहान

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि कैसे आधुनिक युद्ध की रणनीति तय करने में सबसे महत्वपूर्ण कारक होने के मामले में तकनीक धीरे-धीरे भूगोल पर हावी हो रही है। जनरल अनिल चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध के परिणाम रणनीति और रणनीति से तय होते हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में ये कारक मुख्यतः भूगोल से प्रभावित होते थे, लेकिन अब इसमें बदलाव आने लगा है। युद्ध और युद्ध में जीत मूल रूप से रणनीति पर निर्भर करती है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा यदि आप अतीत को देखें, तो रणनीति काफी हद तक भूगोल से ली गई थी, लेकिन धीरे-धीरे, प्रौद्योगिकी का तत्व हावी हो रहा है और भूगोल को पीछे छोड़ रहा है। जनरल अनिल चौहान ने प्रमुख भौगोलिक पहलुओं पर प्रकाश डाला जो अतीत में युद्ध के परिणाम को तय करते थे जैसे कि ऊँची जमीन, इलाके की उपयुक्तता, रेगिस्तानों का विशाल विस्तार, पर्वत श्रृंखलाएँ और महासागर।

दिल्ली कार विस्फोट पर राजनाथ सिंह बोले, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि इस दुखद घटना के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में 'दिल्ली रक्षा संवाद' में बोलते हुए, सिंह ने सोमवार को हुए विस्फोट के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अपने संबोधन की शुरूआत की, जिसमें 12 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सबसे पहले, मैं कल दिल्ली में हुई दुखद घटना में मारे गए सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार हमले की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैं अपने देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, देश की प्रमुख जाँच एजेंसियाँ गहन जाँच कर रही हैं। रक्षा मंत्री ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि जाँच के निष्कर्ष जल्द ही सार्वजनिक किए जाएँगे।

सिंह ने जोर देकर कहा कि ज़िम्मेदार लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। रक्षा मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दिल्ली कार विस्फोट की जाँच में कई केंद्रीय एजेंसियाँ दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रही हैं। जाँच जारी रहने के साथ, पुलिस सीसीटीवी फुटेज और डेटा विश्लेषण को महत्वपूर्ण सुराग के तौर पर देख रही है। जाँचकताओं ने संदिग्ध वाहन की गतिविधियों का पता लगा लिया है और अब विस्फोट से पहले और बाद में स्थापित संभावित संचार संपर्कों की जाँच कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में विस्फोट से कुछ देर पहले संदिग्ध कार लाल किला पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करती और बाहर निकलती दिखाई दे रही है। फुटेज में चालक अकेला दिखाई दे रहा है। दरियागंज की ओर जाने वाले रास्ते की अब जाँच की जा रही है और आस-पास के टोल प्लाजा के फुटेज समेत 100 से ज्यादा सीसीटीवी क्लिप की जाँच की जा रही है ताकि वाहन की पूरी गतिविधि का पता लगाया जा सके। ऐतिहासिक लाल किला परिसर के पास हुए इस विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई और सुरक्षा व्यवस्था को व्यापक रूप से सक्रिय कर दिया गया।

महोबा में दिल दहला देने वाली घटना, तीन नाबालिग सगी बहनों के शव कुएं से मिले

महोबा, 11 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के अजनर थाना क्षेत्र के आरी गांव में पुलिस ने सोमवार रात तीन नाबालिग सगी बहनों के शव एक खेत में बने कुएं से बरामद किए। तीनों बहनें सोमवार शाम से लापता थीं। अजनर थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यपाल सिंह यादव ने बताया कि आरी गांव की बस्ती से कुछ दूरी पर, ललौनी रोड स्थित तिजवा अहिरवार के खेत में बने जर्जर कुएं से रम्मू अहिरवार की तीन बेटियों – रुचि (7 वर्ष), पुष्पा (5 वर्ष) और दीक्षा (3 वर्ष) के शव निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए।

एसएचओ ने कहा कि प्रारंभिक जांच में संकेत मिलता है कि तीनों बहनें खेलते समय कुएं के पास गई होंगीं और पैर फिसलने से कुएं में गिर गई होंगीं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

वहीं एक दूसरी दर्दनाक घटना में उत्तर प्रदेश के नोएडा इलाके के थाना बीटा-2 क्षेत्र के एच्छर गांव में रविवार को कूड़े के ढेर से एक बच्ची का भ्रूण मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उन्हें आशंका है कि लोक लाज के चलते इसके माता-पिता ने गर्भपात करवाने के बाद भ्रूण को यहां पर फेंका है। भ्रूण करीब सात माह का बताया जा रहा है। थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि रविवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में कार्यरत सफाई कर्मी एच्छर गांव के पास सफाई कर रहे थे, तभी उन्हें कूड़े के ढेर में सात माह का भ्रूण दिखाई दिया, इसके बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि भ्रूण बच्ची का है।

उन्होंने बताया कि भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उसका डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत हो रहा है की बच्ची के माता-पिताने लोक लाज के चलते गर्भपात करवाकर भ्रूण को यहां पर फेंका है। पुलिस ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सुप्रिया श्रीनेत का केंद्र सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को हालिया सुरक्षा घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री उसी दिन बरामद की गई जिस दिन लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार विस्फोट हुआ था। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार यह निर्धारित कर सकती है कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं। श्रीनेत ने कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है। यह उसी दिन हुआ जिस दिन फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। सरकार यह निर्धारित नहीं कर सकती कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं। ऐसे समय में जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

विश्व दयालुता दिवस-13 नवम्बर, 2025

करुणा एवं संवेदनाओं से ही दुनिया में संतुलन संभव

-ललित गर्ग

आज का मनुष्य जितनी तीव्रता से भौतिक प्रगति कर रहा है, उतनी ही तेजी से मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से दूर होता जा रहा है। विज्ञान ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, परंतु उसने मनुष्य को आत्मकेंद्रित भी कर दिया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद, स्वार्थ और सत्ता की भूख ने मनुष्य के भीतर की दयालुता को जैसे कुंद कर दिया है। ऐसे समय में जब विश्व हिंसा, आतंक, युद्ध, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और वैमनस्य के दौर से गुजर रहा है, तब विश्व दयालुता दिवस मनाने का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सभ्यता के विकास की असली पहचान तकनीकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की करुणा, सहानुभूति और प्रेम से होती है। दयालुता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मनुष्य को पशुता से ऊपर उठाकर देवत्व की ओर ले जाती है। इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने दया, करुणा और प्रेम को अपनाया, वहीं शांति और समृद्धि का आधार बने। बुद्ध, महावीर, यीशु और गांधी जैसे महापुरुषों ने दया को जीवन की सबसे बड़ी साधना माना। महात्मा गांधी ने कहा था, अहिंसा कोई निष्क्रिय वस्तु नहीं, यह सबसे सक्रिय और जीवंत शक्ति है। दयालुता उसी अहिंसा की आत्मा है, जो मनुष्य को दूसरों के सुख-दुःख से जोड़ती है।

आज जब दुनिया में युद्ध की विभीषिका मंडरा रही है, जब समाज हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से आक्रांत है, तब दया और करुणा का

महत्त्व केवल नैतिकता का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यूक्रेन-रूस युद्ध, गाजा और इस्राइल का संघर्ष, आतंकवाद की विभीषिका और भीतर तक उतर चुकी नफरत की राजनीति-ये सब इस बात के संकेत हैं कि हमने दयालुता को अपने जीवन से बाहर कर दिया है। मनुष्य ने मशीनों की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया है। संवेदना की जगह संदेह ने ले ली है, और करुणा की जगह क्रूरता ने। ऐसे में विश्व दयालुता दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम अब भी मनुष्य बचे हैं या केवल उपभोग की दौड़ में शामिल यांत्रिक प्राणी बन गए हैं। विश्व दयालुता दिवस मनाने की पहल सबसे पहले 1998 में वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट नामक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने की थी, जिसका उद्देश्य था-मानवता में करुणा, सहानुभूति और प्रेम के बीजों को फिर से सींचना। इस दिन का मकसद यह स्मरण कराना है कि दया कोई एक दिन की बात नहीं, बल्कि जीवन का स्थायी संस्कार होना चाहिए। दयालुता एक ऐसी भाषा है जो सभी सीमाओं, धर्मों, भाषाओं और विचारधाराओं से परे है। यह वह सूत्र है जो मनुष्यता को जोड़ता है, जो टूटे हुए रिश्तों में प्राण फूंकता है। आज की दुनिया में भौतिक विकास ने व्यक्ति को आराम तो दिया है, लेकिन आत्मिक शांति छीन ली है। हर कोई सफलता की होड़ में है, पर किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है। परिवारों में संवाद घट गया है, समाज में सहयोग की भावना कम हुई है, और राजनीति में विरोध ने वैमनस्य का रूप ले लिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस युग में हम जुड़ते तो बहुत हैं, पर वास्तव में अलग-थलग पड़ गए हैं। दया और करुणा की कमी के कारण मानसिक तनाव, अवसाद, आत्महत्या और असंतोष जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एकमात्र उपाय है-दयालुता की भावना को जीवन का आधार बनाना।

दयालुता केवल दूसरों के प्रति व्यवहार नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि का माध्यम है। जब हम किसी की सहायता करते हैं, किसी के दुःख को समझते हैं, किसी की भूल को माफ करते हैं, तब हम अपने भीतर की नकारात्मकता को भी दूर करते हैं। दयालु व्यक्ति न केवल समाज को सुंदर बनाता है, बल्कि स्वयं के भीतर भी शांति का अनुभव करता है। करुणा से मनुष्य का हृदय विस्तृत होता है, दृष्टि उदार होती है, और जीवन में संतुलन आता है। आज की जटिल दुनिया में संतुलन खोना बहुत आसान है। मनुष्य अपनी इच्छाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं में उलझकर आत्मविनाश की ओर बढ़ रहा है। पर्यावरण का संकट, सामाजिक विषमता, नैतिक पतन-ये सब उसी असंतुलन के परिणाम हैं, जहाँ दयालुता और करुणा का स्थान स्वार्थ और लोभ ने ले लिया है। यदि मनुष्य में करुणा का भाव जाग जाए, तो न युद्ध रहेगा, न आतंकवाद, न हिंसा। दुनिया में जितनी भी क्रूरताएं हुई हैं, वे दया के अभाव से हुई हैं। अतः दया केवल नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि विश्व शांति का आधार है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-जब तक एक भी जीव भूखा या दुखी है, तब तक तुम्हारी उपासना अधूरी है। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि सच्चा धर्म केवल पूजा या प्रार्थना नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति करुणा का भाव है। यदि दयालुता जीवन का हिस्सा बन जाए, तो धर्म अपने वास्तविक रूप में प्रकट होता है। चाहे वह जैन धर्म का अहिंसा परमो धर्मः का संदेश हो या बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, सभी ने दया को ही मानवता की सर्वोच्च साधना माना है।

वास्तव में दया का अर्थ केवल किसी पर कृपा करना नहीं है, बल्कि दूसरों के दुख को अपना समझना है। दया एक ऐसी ऊर्जा है जो न केवल संबंधों को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में सह-अस्तित्व की भावना को भी जन्म देती है। आज जब मनुष्य अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष कर रहा है, तो दया ही वह सूत्र है जो जीवन में संतुलन और अर्थ दोनों ला सकती है। हम देख रहे हैं कि दुनिया में तकनीकी शक्ति बढ़ रही है, परंतु नैतिक और भावनात्मक शक्ति घट रही है। युद्ध और हिंसा से किसी का भला नहीं होता। दया और करुणा से ही समाज टिकता है, सभ्यता बचती है, और मनुष्य अपने भीतर के अंधकार को पहचान पाता है। विश्व दयालुता दिवस इसलिए हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे जीवन में दयालुता का स्थान बचा है? क्या हम अपने व्यवहार में दूसरों के सुख-दुःख के प्रति संवेदनशील हैं?

दयालुता की शुरूआत बहुत छोटे-छोटे कार्यों से होती है-किसी की सहायता करना, किसी के प्रति मधुर बोल कहना, किसी की गलती को क्षमा करना, या किसी जरूरतमंद की मदद करना। इन छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव संभव हैं। यही छोटे कदम मिलकर समाज में बड़ी करुणा की लहर पैदा करते हैं। जैसे एक दीपक अंधकार को मिटा देता है, वैसे ही एक दयालु कर्म हजारों हृदयों में प्रकाश फैला सकता है। आज जब दुनिया को हथियारों से नहीं, दिलों से जीतने की जरूरत है, तब दयालुता को जीवन का आधार बनाना सबसे बड़ी मानव सेवा है। करुणा वह सेतु है जो टूटे हुए संबंधों को जोड़ती है, घृणा को प्रेम में बदलती है और संघर्ष को सहयोग में परिवर्तित करती है। यही संतुलित, शांत और सुंदर जीवन की दिशा है। इसलिए विश्व दयालुता दिवस कोरा आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक होना चाहिए, यह दिवस एक प्रेरणा है कि हम फिर से मनुष्य बनें, अपने भीतर की करुणा को जगाएं और दुनिया को प्रेम व सहानुभूति से भर दें। जब हम दूसरों के प्रति दयालु बनते हैं, तो हम न केवल समाज में शांति फैलाते हैं, बल्कि अपने भीतर भी दिव्यता का अनुभव करते हैं। यही दया का वास्तविक चमत्कार है-जो जीवन को संतुलित बनाता है और दुनिया को फिर से मानव बनाता है।

धर्मनिरपेक्ष भारत में आस्था पर पहराः क्या धर्मांतरण विरोधी कानून आवश्यक हैं?

- डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनः धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता की संवैधानिक चुनौती

भारत एक बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक और विविधताओं से भरा हुआ देश है, जिसकी पहचान उसकी धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता में निहित है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 तक नागरिकों को अपने धर्म को मानने, प्रचार करने और उसका पालन करने का मौलिक अधिकार प्रदान किया गया है। परंतु हाल के वर्षों में देश के अनेक राज्यों में बनाए गए धर्मांतरण विरोधी कानून ने इस संवैधानिक गारंटी को गंभीर प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया है।

इन कानूनों का उद्देश्य यह बताया जाता है कि वे बल, प्रलोभन या कपट से किए गए धर्मांतरणों को रोकने के लिए बनाए गए हैं, किंतु व्यवहार में इनका दायरा इतना व्यापक और अस्पष्ट है कि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अंतर्धार्मिक विवाहों और अल्पसंख्यक समुदायों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दमनकारी प्रभाव डालते हैं।

भारत में धर्मांतरण का प्रश्न स्वतंत्रता-पूर्व काल से ही विवादास्पद रहा है। अंग्रेजी शासनकाल में कई मिशनरियों द्वारा ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार को लेकर राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं। स्वतंत्रता के बाद 1954 में संसद में धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक प्रस्तुत किया गया था, किंतु वह पारित नहीं हो सका। हालाँकि, कुछ राज्यों ने अपने-अपने स्तर पर ऐसे कानून बनाए – ओडिशा (1967) पहला राज्य था जिसने धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम पारित किया। इसके बाद मध्यप्रदेश (1968), अरुणाचल प्रदेश (1978), छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी समान प्रकार के कानून बनाए। इन सभी अधिनियमों का मूल उद्देश्य जबरन या धोखे से धर्मांतरण रोकना बताया गया है, परंतु उनके प्रावधानों की व्याख्या के तरीके ने संविधान की मूल भावना पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25(1) प्रत्येक व्यक्ति को धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। इसमें तीन मूल तत्व हैं – किसी धर्म को मानने की स्वतंत्रता, उसका पालन करने की स्वतंत्रता, और उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता। यह अधिकार राज्य के सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है, परंतु इन सीमाओं का उद्देश्य व्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन करना नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता बनाए रखना है। अनुच्छेद 14 समानता के अधिकार की गारंटी देता है, जबकि अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है। धर्मांतरण विरोधी कानून इन दोनों अधिकारों के साथ भी टकराते हैं क्योंकि ये नागरिकों के व्यक्तिगत निर्णय, आस्था और वैवाहिक चयन में राज्य के अनावश्यक हस्तक्षेप का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

भारत की धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी देशों की तरह राज्य और धर्म के पूर्ण पृथक्करण पर आधारित नहीं है, बल्कि यह एक सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता है–जिसमें राज्य सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखता है और किसी के पक्ष या विपक्ष में नहीं जाता। परंतु धर्मांतरण विरोधी कानूनों के माध्यम से राज्य जब किसी धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तन करने की स्वतंत्रता पर शर्तें, अनुमति और दंड लगाने लगता है, तो वह अपने धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से भटक जाता है। इन कानूनों में प्रायः यह प्रावधान होता है कि जो व्यक्ति अपना धर्म बदलना चाहता है, उसे पहले जिलाधिकारी को सूचना देना और अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा। यह प्रक्रिया स्वयं में संविधान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का उल्लंघन है, क्योंकि किसी व्यक्ति की आस्था का निर्णय उसकी अंतरात्मा का विषय है, न कि सरकारी अनुमति का। धर्मांतरण विरोधी कानूनों का सबसे गहरा असर अंतर्धार्मिक विवाहों पर पड़ा है। कई राज्यों ने इन कानूनों को तथाकथित लव जिहाद की अवधारणा से जोड़ दिया है–जिसमें यह प्रचारित किया जाता है कि एक धर्म विशेष के लोग विवाह के माध्यम से दूसरे धर्म की महिलाओं का धर्म परिवर्तन कराते हैं। इस धारणा के आधार पर बनाए गए कानून, जैसे उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021, मध्यप्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 2021, और हरियाणा धर्म स्वतंत्रता विधेयक, 2022 – इनमें यह प्रावधान है कि यदि विवाह धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया है, तो वह अवैध और शून्य घोषित किया जा सकता है। इससे दो प्रमुख समस्याएँ उत्पन्न होती हैं – पहली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हननः प्रेम या विवाह व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद है। राज्य को यह तय करने का अधिकार नहीं होना चाहिए कि किसी व्यक्ति को किस धर्म में विवाह करना है। दूसरी, सामाजिक विभाजनः ऐसे कानून समाज में धार्मिक अविश्वास, भय और घृणा को बढ़ावा देते हैं, जिससे अंतरधार्मिक मेलजोल और सद्भाव प्रभावित होता है। धर्मांतरण विरोधी कानूनों का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाई और मुस्लिम समाज पर पड़ता है। ईसाई मिशनरियों पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि वे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराते हैं। इस कारण उनके सामाजिक कार्यों पर लगातार निगरानी और उत्पीड़न बढ़ा है। मुस्लिम समुदाय के संदर्भ में यह प्रचारित किया जाता है कि वे लव जिहाद के माध्यम से धर्मांतरण कराते हैं, जिससे मुस्लिम युवकों को झूठे मामलों में फँसाने की घटनाएँ बढ़ी हैं। इसके परिणामस्वरूप इन समुदायों में भय और असुरक्षा का वातावरण बना है। अनेक बार धर्मांतरण की झूठी अफवाहें फैलाकर भीड़ हिंसा की घटनाएँ हुई हैं, जो लोकतांत्रिक भारत के लिए गहरी चिंता का विषय है।

भारतीय न्यायपालिका ने इस विषय पर कई बार टिप्पणी की है। रेवरेंड स्टैनिसलॉ बनाम मध्यप्रदेश राज्य (1977) में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि धर्म प्रचार का अधिकार धर्मांतरण का अधिकार नहीं है। हालाँकि उस समय का संदर्भ जबरन धर्मांतरण से जुड़ा था। हादीया केस (2018) में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि किसी बालिग व्यक्ति को अपनी पसंद का धर्म और जीवनसाथी चुनने की पूर्ण स्वतंत्रता है। लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2006) में कोर्ट ने कहा कि अंतर्धार्मिक विवाह संविधान द्वारा संरक्षित व्यक्तिगत अधिकार है और इसमें हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए। इन निर्णयों से यह स्पष्ट है कि अदालतें धर्मांतरण के जबरन या धोखे से किए जाने का विरोध करती हैं, किंतु स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन या अंतर्धार्मिक विवाह को पूर्णतः व्यक्ति की स्वतंत्रता मानती हैं। धर्मांतरण विरोधी कानून केवल कानूनी नहीं बल्कि राजनीतिक औजार भी बन गए हैं। कुछ राजनीतिक दल इनका प्रयोग अपने ध्रुवीकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं। धार्मिक पहचान को राजनीतिक मुद्दा बनाकर चुनावी लाभ लेना इन कानूनों का अप्रत्यक्ष उद्देश्य बन चुका है। इस कारण सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक और बहुधार्मिक देश में किसी भी व्यक्ति की अंतरात्मा की स्वतंत्रता सर्वोपरि होनी चाहिए। राज्य का कर्तव्य यह नहीं कि वह व्यक्ति की आस्था पर नियंत्रण करे, बल्कि यह सुनिश्चित करे कि किसी को भी उसके धर्म या विश्वास के कारण भेदभाव या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्मांतरण विरोधी कानूनों की वर्तमान संरचना भारतीय संविधान की आत्मा – स्वतंत्रता, समानता और धर्मनिरपेक्षता – के विरुद्ध जाती है। यदि इन कानूनों को केवल बलपूर्वक या छल से किए गए धर्मांतरण तक सीमित रखा जाए, तो वे न्यायसंगत माने जा सकते हैं; परंतु जब ये व्यक्ति की निजी आस्था, विवाह और जीवन की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने लगते हैं, तब वे लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए खतरा बन जाते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि भारत में धर्मांतरण संबंधी कानूनों की पुनः समीक्षा की जाए, उन्हें संविधान के अनुरूप ढाला जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी कानून धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता की भावना को कमजोर न करे। धार्मिक विविधता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है, और इस विविधता की रक्षा ही हमारी सच्ची राष्ट्रभक्ति का प्रमाण है।

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों को सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के नाम पर लागू किया गया है, परंतु इनका वास्तविक प्रभाव नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर नियंत्रण के रूप में उभर रहा है। ये कानून न केवल धर्म परिवर्तन को प्रशासनिक अनुमति से जोड़ते हैं बल्कि अंतर्धार्मिक विवाहों और अल्पसंख्यक समुदायों पर भी प्रतिकूल असर डालते हैं। संविधान के अनुच्छेद 25 द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता की भावना इन कानूनों से आहत होती है। लोकतांत्रिक भारत के लिए आवश्यक है कि राज्य नागरिक की आस्था का संरक्षक बने, नियंत्रक नहीं। आस्था पर पहरा नहीं, सम्मान होना चाहिए।

पर्यावरण सुरक्षा अब विकल्प नहीं,अनिवार्यता

- वैश्विक स्तरपर भारत की राजधानी दिल्ली, जो कभी सभ्यता, संस्कृति और शक्ति का प्रतीक मानी जाती थी,आज ह्लसांस लेने के अधिकारह्व के संकट से जूझ रही है। नवंबर 2025 के दूसरे सप्ताह में जब पूरा उत्तर भारत दीपावली के बाद की धुंध में लिपटा हुआ था, तब दिल्ली- एनसीआर की हवा एक बार फिर जहरीली हो गई। मंगलवार दिनांक 11 नवंबर 2025 को सुबह 9 वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 425 तक पहुंच गया,यानी ह्यगंभीरह्व श्रेणी, जो न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि प्रकृति और शहरी जीवन की स्थिरता के लिए भी एक भयावह संकेत है।10 नवंबर 2025 को जहां एक्यूआई 362 दर्ज किया गया था, वहीं 11 नवंबर 2025 को यह आंकड़ा 425 पर पहुंच गया। इस खतरनाक स्थिति को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने तुरंत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के तीसरे चरण को लागू करने का निर्णय लिया।भारत की राजधानी दिल्ली और उसके आसपास का एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) आज विश्व के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में शुमार हो चुका है। हवा में घुला जहर अब केवल एक शहर या प्रदेश की समस्या नहीं रहा, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय चेतावनी बन चुका है कि यदि दुनिया ने अब भी पर्यावरण सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं किया, तो सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा भी विलासिता बन जाएगी। दिल्ली की वायु गुणवत्ता जब गंभीर स्तर से ऊपर जाती है, तो वह मानव अस्तित्व के लिए एक खतरे की घंटी बजाती है। यही वजह है कि पर्यावरण सुरक्षा अब केवल स्थानीय प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी बन गई है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर हर साल सर्दियों में भयावह रूप लेता है। खेतों में पराली जलाना, वाहनों से निकलता धुआं, उद्योगों का उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल और पटाखों का धुआं,ये सभी मिलकर हवा को जहरीला बना देते हैं। इस वर्ष भी नवंबर की शुरूआत में वायु गुणवत्ता सूचकांक 425 के पार पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी से भी ऊपर है। ऐसे में अस्पतालों में सांस, आंख और त्वचा की बीमारियों के मामले बढ़ने लगे हैं। यही वह स्थिति है जिसमें सरकार को ग्रेप-3 लागू करना पड़ा, जिसके तहत निर्माण गतिविधियों डीजल जनरेटर और भारी वाहनों के संचालन पर रोक लगाई गई। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल आपात कदमों से समाधान संभव है?चूँकि दिल्ली- एनसीआर में वायु संकट-जब हवा बनी जहर- ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान चरण-3 की सख्ती और राष्ट्रीय चेतावनी का संदेश जारी कर दिया गया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पर्यावरण सुरक्षा अब विकल्प नहीं,अनिवार्यता है- दिल्ली। साथियों बात अगर हम एनसीआर के प्रदूषण संकट से पूरी दुनियाँ को सीखने की जरूरत को समझने की करें तो प्रदूषण केवल स्थानीय नहीं, वैश्विक चुनौती हैआज का पर्यावरण संकट सीमाओं से परे जा चुका है। जब दिल्ली में हवा जहरीली होती है, तो उसका असर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पंजाब तक पहुंचता है। इसी तरह, जब चीन में स्मॉग बढ़ता है या यूरोप में औद्योगिक गैसें फैलती हैं, तो उनका प्रभाव वैश्विक तापमान पर पड़ता है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ओजोन परत की क्षति ऐसी समस्याएँ हैं जो देशों की सीमाओं को नहीं मानतीं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने पेरिस जलवायु समझौतेह्व और सतत विकास लक्ष्य के माध्यम से विश्व समुदाय को एक साझा मिशन पर जोड़ा है,जिसका उद्देश्य है 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना हैं,भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है, फिर भी दिल्ली-एनसीआर की हवा एक बार फिर जहरीली हो गई। मंगलवार दिनांक 11 नवंबर 2025 को सुबह 9 वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 425 तक पहुंच गया,यानी गंभीर श्रेणी, जो न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि प्रकृति और शहरी जीवन की स्थिरता के लिए भी एक भयावह संकेत है,परंतु यह भी सच है कि भारत ने विकासशील देशों में सबसे तेजी से हरित ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।भारतीय पीएम द्वारा आरंभ किया गयाराष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा मिशन, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन,स्वच्छ भारत अभियान और राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रमह्व ऐसे प्रयास हैं जो भारत को पर्यावरण- अनुकूल विकास की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। 2070 तक भारत के नेट जीरोह्व लक्ष्य की घोषणा इस दिशा में ऐतिहासिक है। परंतु दिल्ली-एनसीआर जैसे उदाहरण यह दिखाते हैं कि नीतियां तभी सफल होंगी जब स्थानीय प्रशासन,उद्योग और नागरिक, तीनों मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।समाधान और आगे का रास्ता-जब नीति को नागरिक की जिम्मेदारी बनना होगा,वायु प्रदूषण केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रश्न है।ग्राप जैसे आपातकालीन उपाय अस्थायी राहत दे सकते हैं, पर स्थायी समाधान तभी संभव है जबः(1) स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार हो। (2)पराली प्रबंधन के लिए किसानों को व्यवहारिक विकल्प मिलें (3) सार्वजनिक परिवहन सशक्त और सस्ता बने।(4) इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाया जाए।(5) शहरी हरियाली और वृक्षारोपण को मिशन मोड में बढ़ाया जाए।(6) नागरिक स्वयं अपने स्तर पर प्रदूषण घटाने की पहलजरूर करें। साथियों बात अगर हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और असंतुलन का खतरा को समझने की करें तो धरती का संतुलन तभी संभव है जब जल, वायु, भूमि और वन एक-दूसरे के साथ सामंजस्य में रहें। लेकिन बढ़ती आबादी, अनियंत्रित औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने इस संतुलन को गंभीर रूप से बिगाड़ दिया है। जंगलों की कटाई ने प्राकृतिक वायु-शोधन प्रणाली को कमजोर कर दिया है, जबकि सीमेंट और डामर के जंगलों ने हरियाली को निगल लिया है। भूजल का अत्यधिक दोहन, नदियों में प्रदूषण और प्लास्टिक कचरे का ढेर आज उस बिंदु पर पहुंच चुका है जहां प्रकृति प्रतिशोध लेने लगी है,कहीं बाढ़, कहीं सूखा, कहीं जहरीली हवा और कहीं घटते पेयजल स्तर के रूप में।विश्व समुदाय को साझा जवाबदेही निभानी होगीप्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अब केवल नीतियों की घोषणा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके क्रियान्वयन में सख्ती जरूरी है। विकसित देशों को अपने ऐतिहासिक उत्सर्जन की जिम्मेदारी लेनी होगी और विकासशील देशों कोतकनीकी सहायता व वित्तीय सहयोग देना होगा। ग्रीन क्लाइमेट फंड को और प्रभावी बनाना होगा ताकि भारत जैसे देशों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में मदद मिल सके। वहीं, विकासशील देशों को भी कार्बन-न्यूट्रल नीतियों को अपने विकास मॉडल में शामिल करना चाहिए।

साथियों बात अगर हम जन सहभागिता ही असली पर्यावरण रक्षा है इसको समझने की करें तो सरकारें नीतियां बना सकती हैं, कानून लागू कर सकती हैं, परंतु पर्यावरण संरक्षण तब तक संभव नहीं जब तक नागरिक स्वयं अपनी जीवनशैली में बदलाव न लाएँ। निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक परिवहन का उपयोग,पेड़ लगाना प्लास्टिक से परहेज, बिजली की बचत, और अपशिष्ट का उचित निपटान,ये छोटे कदम मिलकर बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। आज के दौर में हर व्यक्ति ग्रीन सिटिजन बन सकता है। स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा को केवल एक विषय नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।तकनीक और नवाचार से मिल सकता है समाधान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सैटेलाइट मॉनिटरिंग, स्मार्ट सिटी मॉडल और हरित प्रौद्योगिकी प्रदूषण नियंत्रण में नई दिशा दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम वाहनों की भीड़ कम कर सकता है, जबकि ड्रोन्स से प्रदूषण उत्सर्जन की निगरानी संभव है। दिल्ली जैसे शहरों में स्मॉग टावरह्व और ग्रीन वॉल प्रयोग के तौर पर लगाए गए हैं, पर इन्हें केवल प्रतीक नहीं, बल्कि नीति का अंग बनाना होगा। साथियों बात अगर हम भारत में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान को चार चरणों में विभाजित किया गया है व अभी 11 नवंबर से चरण-3 लागू किया गया है इसको समझने की करें, चरण-(1)मॉडरेट टू पुअर एक्यूआई 201-300)(2)चरण-2 (वेरी पुअर, एक्यूआई 301-400)(3) चरण-3 (सीवियर, एक्यूआई 401-450)(4)चरण-4 (सीवियर प्लस, एक्यूआई >450) 11 नवंबर 2025 को सुबह 9 के बाद 2025 में एक्यूआई 425 तक पहुंचने के बाद, दिल्ली-एनसीआर में तीसरे चरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई,यानी ग्रेप-III लागू हो गया। ग्राप '''का तीसरा चरण तब लागू होता है जब वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर तक पहुंच जाए,अर्थात एक्यूआई 401 से ऊपर। इस स्थिति में प्रशासन को ऐसे आपातकालीन कदम उठाने होते हैं जो वायु प्रदूषण के सभी प्रमुख स्रोतों को अस्थायी रूप से रोक दें या सीमित कर दें।चरण-3 में प्रमुख प्रतिबंध और उपाय इस प्रकार हैं-(1)निर्माण गतिविधियों पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंधः दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाज़ियाबाद और फरीदाबाद में सभी बड़े निर्माण कार्य, जैसे सड़क, पुल, मेट्रो, वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स आदि, पर रोक लगा दी जाती है। केवल आवश्यक सार्वजनिक परियोजनाएं (जैसे अस्पताल, रेलवे, मेट्रो सुरक्षा परियोजनाएं) को ही अनुमति होती है।रियल एस्टेट और निजी बिल्डिंग निर्माण गतिविधियां बंद रहती हैं। (2)ईंट भट्ठों, हॉट मिक्स प्लांट और स्टोन क्रशर यूनिट्स का संचालन बंद-सभी स्टोन क्रशर यूनिट्स और हॉट मिक्स प्लांट बंद कर दिए जाते हैं ताकि धूल और सूक्ष्म कणों का उत्सर्जन रोका जा सके।(3)वाहनों की निगरानी और प्रतिबंधःपुराने डीजल वाहनों (10 वर्ष से पुराने) और पेट्रोल वाहनों (15 वर्ष से पुराने) का संचालन प्रतिबंधित हो जाता है।दिल्ली में बीएस-III पेट्रोल और बीएस -IV डीजल वाहनों की एंट्री बंद हो जाती है सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन देने और कारपूलिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए जाते हैं।(4) औद्योगिक इकाइयों पर नियंत्रणःकेवल स्वीकृत ईंधन से चलने वाली औद्योगिक इकाइयों को संचालन की अनुमति रहती है। अन्य सभी इकाइयां, जो कोयला, डीजल, या गैर-मानक ईंधन का प्रयोग करती हैं, उन्हें तत्काल बंद करने के आदेश जारी होते हैं।(5)सड़क सफाई और जल छिड़कावः स्थानीय निकायों को सड़कों की यांत्रिक सफाई और धूल जमाव कम करने के लिए नियमित वाटर स्प्रिंकलिंग करने के आदेश दिए जाते हैं। नगर निगम और पीडब्लूडी टीमें 24 घंटे सक्रिय रखी जाती हैं ताकि धूल जमा न हो।(6) खुली जलाने की गतिविधियों पर प्रतिबंध- कूड़ा, पत्ते, प्लास्टिक या किसी भी प्रकार के ठोस अपशिष्ट के खुले में जलाने पर पूर्ण रोक लगाई जाती है। उल्लंघन करने वालों पर भारी जुमार्ने का प्रावधान होता है। (7) स्कूलों और कार्यालयों के लिए दिशा-निदेर्शःबच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में खेलकूद गतिविधियां निलंबित की जाती हैं।कुछ मामलों में स्कूलों को ऑनलाइन मोड में पढ़ाई की सलाह दी जाती है।सरकारी कार्यालयों और निजी संस्थानों को वर्क फ्रॉम होम अपनाने की सलाह दी जाती है (8) जागरूकता और स्वास्थ्य परामर्शः स्वास्थ्य विभागनागरिकों को मास्क पहनने, बाहरी गतिविधियों से बचने और चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह जारी करता है। अस्पतालों में श्वसन काउंटर और आपातकालीन श्वसन सेवाएं सक्रिय की जाती हैं। ग्राप के अंतिम चरण।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि धरती बची तो सब बचा, दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण केवल हवा में धूल या धुआं नहीं है, यह उस असंतुलित विकास की चेतावनी है जो पूरी मानवता को खतरे में डाल रहा है। यदि हम आज भी नहीं चेते, तो कल सांस लेने की कीमत ऑक्सीजन सिलिंडर से चुकानी होगीइसलिए यह समय है जब भारत सहित पूरी दुनिया को पर्यावरण सुरक्षा के नियमों का कठोर पालन करना चाहिए। स्वच्छ हवा, स्वच्छ जल और हरित पर्यावरण, ये किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समूची मानव सभ्यता की साझा विरासत हैं। यदि धरती बचेगी, तो ही मानवता बचेगी; और यदि प्रकृति स्वस्थ होगी, तभी विकास सार्थक होगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

जमीन धंसने के संकेत

-विक्रम दयाल

जमीन धंसने के मुख्य संकेत हैं फर्स का घंसना या तिरछा होना, दीवारों में दर्रे पड़ना, खिड़कियों और दरवाजों का अटकना, और दीवारों के सिरे से रेटिंग बोर्ड का अलग होना। अन्य संकेतों में घर के आसपास गड्ढ़ों का बनना, असामान्य आवाजें जैसे लकड़ी का टूटना, पत्थरों का टकराना, और नदी या कुएं के जल स्तर में अचानक बदलाव आना शामिल है। घर के भीतर और आसपास के संकेतः *फर्स का धंसना जमीन धंसने के शंकेत? या तिरछा होनाः यह संकेत हो सकता है कि घर के नीचे की जमीन धंस रही है। दीवारों, रास्तों और ड्राइव वे में दरारेंः खास तौर पर दीवारों की ईटों की मोर्टार लाइनों मैं टेढ़ी मेढ़ी दरारें देखें। ये इतनी चौड़ी हो सकती हैं की आपकी छोटी उंगली भी उनमें समा जाये और ये अंदर और बाहर दोनों तरफ दिखाई देती है। खिड़कियों और दरवाजों का ठीक से काम न करनाः अगर दरवाजे या खिड़कियाँ अटकने लगे या ठीक से संरेखित न हो, तो यह जमीन के धंसने का संकेत हो सकता है, जिससे जोड़ों के आसपास दरारें पड़ सकती हैं। स्कर्टिंग बोर्ड का दीवार से अलग होनाः स्कर्टिंग बोर्ड और दीवार के बीच दिखाई देने वाला खाली गैप गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। गड्ढे बननाः घर से चारो ओर गड्ढे बनना जल निकासी की समस्या का संकेत हो सकता है। इकट्ठा हुआ पानी मिट्टी को नरम कर-के जमीन को अस्थिर कर सकता है। बाहरी और अन्य संकेतः- असामान्य आवाजेंः जमीन से या दीवारों से लकड़ी के टूटने, पत्थरों के टकराने, या जमीन से कराहने जैसी आवाजें आना, खासकर अगर ये आवाजें बढ़ती जा रही हों। भूस्खलन का संकेतः गीली मिट्टी के कारण भूस्खलन या मिट्टी के मलवे का प्रवाह होने की संभावना बढ़ जाती है, खासकर भारी बारिस के दौरान। कुओं के जलस्तर में बदलावः भारी बारिस के दौरान या तुरंत बाद कुएं के जलस्तर में अचानक कमी आना भी एक संकेत हो सकता है। अगर इनमें से कोई भी संकेत दिखाई दे, तो यह एक गंभीर समस्या का संकेत हो

दादर में श्री हरिः भक्ति सत्संग समिति की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। श्री हरिः भक्ति सत्संग समिति के विश्वस्त मंडल की वार्षिक साधारण सभा रविवार को प्रवास को.आप. क्रेडिट सोसायटी के कार्यालय सांई काम्प्लेक्स सयानी रोड मुंबई में समिति के अध्यक्ष मायाशंकर मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें पिछली बैठक का विवरण समिति के सेक्रटरी सुशील मिश्र ने पढ़कर सुनाया उपस्थित सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की।आय-व्यय, बैलेन्ससीट व आडीटर द्वारा आडीट रिपोर्ट 2024-2025 की मुद्रित प्रति सदस्यों में वितरित की गई। अवलोकन के पश्चात सदस्यों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की 2025-2026 के लिए आडीटर एस.डी.पेडनेकर के नाम को स्वीकृत किया गया। दिसम्बर 2025 में राम-कथा कराने का निर्णय लिया गया ।कथावाचक पं.संजय मिश्र (रामायणी) के नाम को स्वीकार किया गया, समिति के स्वागताध्यक्ष स्व.अक्षैबर रामसजीवन तिवारी को मौन श्रद्धांजलि दी गयी। शोक प्रस्ताव पास हुआ। समिति ने नए ट्रस्टी सतीश अक्षैबर तिवारी के नाम को अध्यक्ष मायाशंकर मिश्र प्रस्तावित किया। अखिलेश तिवारी व सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बैठक में मायाशंकर मिश्र, अखिलेश तिवारी, सुशील मिश्र डा.शशिकांत मिश्र, एड.शैलेष मिश्र, बांकेलाल मिश्र, मारकन्डेय सिंह, मंगेश गुप्ता, अजय मिश्र,अनिलमिश्र,उमाशंकर विश्वकर्मा सुधीर मिश्र रवीन्द्रनाथ मिश्र ,सतीश तिवारी उपस्थित थे। अन्त में अध्यक्ष मायाशंकर मिश्र ने उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सुन्दर जलपान करने का अनुरोध किया और बैठक समाप्त की घोषणा की।

नीति आयोग के कर नीति अध्यक्ष ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन के सलाहकार बोर्ड में शामिल

मुंबई। ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन ने नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर ट्रांसफोर्मिंग इंडिया (नीति आयोग) में कर नीति सलाहकार समूह के अध्यक्ष श्री पुष्पिंदर एस. पुनिहा को अपने सलाहकार बोर्ड में नियुक्त करने की घोषणा की है। इस नियुक्त के साथ सप्लाय चैन कन्सल्टिंग और प्रशिक्षण में दुनिया की नंबर 1 कंपनी ब्लू ओशन कापोर्रेशन, जिसका मुख्यालय लंदन में है, उसने भारत के आर्थिक विकास और व्यावसायिक विकास परिदृश्य के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। श्री पुनिहा का ब्लू ओशन के साथ जुड़ाव ऐसे समय में हुआ है जब भारत की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जिसमें कर सुधार, सप्लाय चैन आधुनिकीकरण और नीति-संचालित विकास इसके विकास एजेंडे के केंद्र में हैं। राजकोषीय प्रबंधन और शासन में श्री पुनिहा का व्यापक अनुभव ब्लू ओशन को भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ अपने परामर्श, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पहलों को संरेखित करने के लिए विशिष्ट अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। यह सहयोग भारत में ब्लू ओशन के रणनीतिक विस्तार को भी मजबूत करता है, जहाँ यह संगठन देश की सप्लाय चैन व्यवस्था तंत्र को मजबूत करने, कुशल प्रतिभाओं का निर्माण करने और व्यापार एवं लोजिस्टिक्स के लिए वैश्विक केंद्र बनने के अपने दृष्टिकोण को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन के बोर्ड सदस्य सौरव गांगुली ने कहा, बीसीसीआई में श्री पुनिहा के साथ पहले काम करने के बाद, मैं उनकी विशेषज्ञता और व्यावसायिक योगदान को समझता हूँ। ब्लू ओशन में उनके साथ फिर से काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, जहाँ सलाहकार बोर्ड में उनकी उपस्थिति हमें भविष्य में अपने विकास और प्रभाव को बढ़ाने में मदद करेगी। नीति आयोग से एक वरिष्ठ नीति निमार्ता को शामिल करने का ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन का निर्णय नीति निर्माण और पेशेवर व्यवहार के बीच एक सेतु का संकेत देता है। भारत के शीर्ष नीति थिंक टैंक के विचार एकीकृत करके, कॉर्पोरेशन का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि उसकी सलाह प्रासंगिक, भविष्योन्मुखी और सरकार के आर्थिक दृष्टिकोण, जिसमें मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहल शामिल हैं, के अनुकूल बनी रहें। श्री पुनिहा ने सलाहकार बोर्ड में शामिल होने पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि, ₹ब्लू ओशन में मैं वैश्विक विशेषज्ञता को भारत की आर्थिक प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता देखता हूँ। हम साथ मिलकर ऐसी पहल करेंगे जो कुशल प्रतिभाओं का निर्माण करें और वैश्विक सप्लाय चैन केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करें।

वर्ल्ड डायबिटीज डे: अपने रोजाना आहार में एक मुट्ठी कैलिफोर्निया बादाम शामिल करें, यह ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है

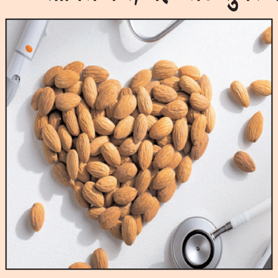

मुंबई/पटना। वर्ल्ड डायबिटीज डे हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य डायबिटीज के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सभी के लिए उपचार को सुलभ बनाना है। इस साल की थीम डायबिटीज इन द वर्कप्लेस है, जो कामकाजी लोगों के लिए मधुमेह को समझने और उसे सही तरीके से संभालने के महत्व पर जोर देती है।

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में लोग अक्सर ऐसे खाद्य पदार्थ खाते हैं जो ज्यादा प्रसंस्कृत होते हैं और जिनमें चीनी व रिफाइंड काबोर्हाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है। यही आदतें मधुमेह जैसी बीमारियों को बढ़ावा दे रही हैं। भारत, जिसे डायबिटीज की राजधानी कहा जाता है, अब इस समस्या से गंभीर रूप से जूझ रहा है। इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के एक हालिया अध्ययन के मुताबिक देश में 101 मिलियन लोग डायबिटीज से ग्रस्त हैं और 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं।

संतुलित आहार ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और दिन की शुरूआत पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ करने से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बादाम, जिनमें 15 आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हैं, – जैसे प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और आहार फाइबर – ब्लड शुगर के स्वस्थ नियंत्रण में सहायक होते हैं। रिसर्च से पता चला है कि बादाम न केवल स्वस्थ ब्लड शुगर स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं, बल्कि टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में ग्लूकोज नियंत्रण को भी बेहतर बनाते हैं तथा कार्बोहाइड्रेट-युक्त भोजन के बाद ब्लड शुगर के स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं।

नागरिक सुरक्षा दल के प्राथमिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग (विशेष) अंतर्गत कार्यरत नागरिक सुरक्षा दल, तारापुर (जिला पालघर) की ओर से सोमवार 10 नवम्बर 2025 को चाफेकर कॉलेज, तारापुर में नागरिक सुरक्षा दल के प्राथमिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन उपनियंत्रक के.आर. कुरकुटे की अनुमति से संपन्न हुआ, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोककुमार रणखांब (उपमुख्य क्षेत्ररक्षक) ने की। इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा दल के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, स्वयंसेवक तथा महाविद्यालय के अध्यापकगण उपस्थित रहे। अपने प्रेरक मार्गदर्शन में अशोककुमार रणखांब ने राज्य नागरिक सुरक्षा दल की भूमिका, संगठनात्मक संरचना, कार्यप्रणाली और समाजहित में इसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक सुरक्षा दल केवल आपदा के समय सहायता देने वाली संस्था नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, समर्पण और सेवा भावना की मिसाल है। प्रत्येक स्वयंसेवक को समाज की सुरक्षा और सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि नागरिक सुरक्षा दल का मुख्य उद्देश्य आपदाओं से निपटने की तैयारी करना, आम नागरिकों को प्रशिक्षित कर जागरूक बनाना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासन को सहयोग प्रदान करना है। इस अवसर पर चाफेकर कॉलेज के

समाजहित में अनुशासन, समर्पण और सेवा भावना से कार्य करने का आह्वान

उपप्राचार्य वंदेश पाटील ने संस्थान की ओर से स्वागत भाषण देते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से युवाओं में न केवल सेवा भावना जागृत होती है, बल्कि उन्हें नेतृत्व, टीमवर्क और समाजसेवा की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी मिलता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, नागरिक सुरक्षा, संचार समन्वय, भीड़ नियंत्रण, अग्निशमन और बचाव कार्यों से संबंधित प्रारंभिक जानकारी दी गई। समारोप के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों व प्रशिक्षकों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में अजित राऊत (उपमुख्य क्षेत्ररक्षक), निलेश सु. वझे (विभागीय क्षेत्ररक्षक, पालघर विधानसभा), तृप्ती वझे (मास्टर ट्रेनर), अपेक्षा संखे (ट्रेनर), गौरव पाटील (ट्रेनर), मास्टर ट्रेनर मेघना वैराल व ममता सिरहट्टी, सिद्धेश्वर खैरे (स्वयंसेवक, वसई विभाग) तथा पुनम यादव (ट्रेनर एवं स्वयंसेवक) सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे।

भारत को रोजगार योग्य बनाने टीमलीज एडटेक की पहल

मुंबई। आज जब भारत का नौकरी बाजार तेजी से बदल रहा है और प्रतिभा उस रफ्तार से नहीं बढ़ रही, टीमलीज एडटेक देश का ध्यान सिर्फ बेरोजगारी के आंकड़ों से हटाकर एक बड़ी चुनौती की ओर खींच रहा है – बढ़ती हुई स्किल गैप। इसी मकसद को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने 7 नवंबर 2025 को मुंबई के नोवोटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट होटल में मेकिंग इंडिया एम्प्लॉयेबल कॉन्फ्रेंस एंड अवॉर्ड्स 2025 का तीसरा संस्करण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा, उद्योग, नीति और समाजसेवा से जुड़े लोग शामिल हुए, जो एक ही सोच साझा करते हैंः रोजगार योग्यता अकेले नहीं बनती – यह व्यक्तियों, संस्थाओं और समाज के मिलकर काम करने से ही संभव है।

इस साल का थीम था एक्सेलरेटिंग इम्पैक्ट इनेब्लिंग ड्रीम्स, जो इस आंदोलन की भावना को दशार्ता है – उन लोगों का जश्न जो पूरे भारत में स्किल्स को सुलभ और रोजगार को टिकाऊ बनाने में लगे हैं। MIECA 2025 ने ऐसे 122 लोगों और संगठनों को सम्मानित किया जिनका काम जमीनी स्तर पर लोगों को रोजगार के लिए तैयार करने में मददगार रहा है। इनमें ऐसे शिक्षक शामिल हैं जो क्लासरूम को स्किल लैब में बदल रहे हैं, और ऐसे उद्यमी जो वर्कप्लेस लर्निंग का नया रूप गढ़ रहे हैं। हर कहानी एक कदम है उस दिशा में जहाँ भारत एक प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण कार्यबल वाला देश बने।

टीमलीज एडटेक के फाउंडर और सीईओ, शांतनु रूज ने कहा, असल समस्या बेरोजगारी नहीं, बल्कि रोजगार-योग्यता की कमी है। मेकिंग इंडिया एम्प्लॉयेबल कोई एक दिन का इवेंट या कैंपेन नहीं है – यह एक मिशन है।

ए.आई. प्रौद्योगिकी पर आधारित अद्यतन टोल प्लाजा शुरू करें: प्रताप सरनाईक

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मुंबई के उत्तरी प्रवेश द्वार पर यातायात जाम और वायु प्रदूषण की समस्या को समाप्त करने के लिए दहिसर टोल प्लाजा के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके टोल भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक नया प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। वे मंत्रिमंडल की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक मनीष चंद्र, सहायक पुलिस आयुक्त गोविंद शर्मा, इंस्पेक्टर विनय कुमार, इंस्पेक्टर संजय गुप्ता, इंस्पेक्टर कैलाश सिंह बिष्ट, धर्मेंद्र कुमार, इंस्पेक्टर रविंदर जोशी और विनोद बडोला, एएसआई शिव यादव, एसआई अजयबीर सिंह, एसआई देवेंद्र सिंह, सब-इंस्पेक्टर बने सिंह आदि शामिल थे।

दहिसर टोल प्लाजा पर हर दिन भारी ट्रैफिक जाम देखने को मिल रहा है, जिससे एम्बुलेंस, स्कूल बसें और आवश्यक सेवाएं बाधित हो रही हैं। इससे प्रदूषण बढ़ता है और यात्रियों का कीमती समय बर्बाद होता है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, स्थानीय लोग इस कदम का विरोध कर रहे हैं। उनकी भूमिका पर विचार करते हुए संबंधित विभाग को निर्देश दिया गया है कि वह टोल प्लाजा पर भीड़भाड़ से बचने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आधार पर एक नई टोल भुगतान प्रक्रिया शुरू करने के लिए तुरंत एक प्रस्ताव प्रस्तुत करे। इससे मौजूदा टोल प्लाजा को स्थायी रूप से बंद करना संभव हो जाएगा।ए आई-आधारित टोल प्रणाली का एक नया युग।

मंत्री सरनाईक ने आगे कहा, टोल संग्रह को अधिक गतिशील और पारदर्शी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक को लागू किया जाना चाहिए। स्वचालित टोल भुगतान एआई कैमरों के माध्यम से किया जाएगा जो वाहनों की नंबर प्लेटों को स्कैन करते हैं, जिससे टोल प्लाजा पर लंबी कतारों को समाप्त किया जा सकता है। इसके अलावा, यदि एक स्थान पर दो टोल प्लाजा का भुगतान करने की अवधारणा को लागू किया जाता है, तो यातायात सुचारू हो जाएगा। सड़क विकास और स्थायी समाधान हो, बैठक में पेंकर पाड़ा सिग्नल और दिल्ली दरबार होटल से दहिसर टोल नाका तक सड़क चौड़ीकरण कार्यों को तेजी से पूरा करने का भी निर्देश दिया गया।

भिवंडी मनपा के 90 सीटों में 45 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित, मनपा सदन में अब 50-50 होगी महिलाएँ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के आम चुनाव के लिए 90 सदस्यों के चुनाव हेतु आरक्षण ड्रा मंगलवार (11) को अंजुरफाटा स्थित मानसी गड़ा कालेज के सभागार में मनपा आयुक्त अनमोल सागर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस ड्रा में 90 में से 45 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं जिनमें से 2 अनुसूचित जाति, 12 पिछड़ा वर्ग और 31 सामान्य महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। जिसके अनुसार 23 वार्ड में से प्रत्येक में दो महिला सदस्य चुनी जाएँगी। बतादें कि महानगर पालिका सदस्यों की संख्या में वृद्धि नहीं हुई है इसलिए 90 सदस्यों के चुनाव हेतु 2017 की वार्ड संरचना को

जनसंख्या के अनुपात में बनाए रखा गया है और श्रेणियों के अनुपात में 3 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति, 24 पिछड़ा वर्ग और 62 सामान्य सदस्य हैं। विशेष रूप से अनुसूचित जाति वर्ग की स्थिति 2017 जैसी ही बनी हुई है। जिससे स्थापित लोगों को कोई झटका नहीं लगेगा। दूसरी ओर अनुसूचित जनजाति वर्ग के सामान्य होने से आदिवासी वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों की उम्मीदें फिर से जाग गई है। चूंकि प्रत्येक वार्ड में महिलाओं, पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए है, और एम सामान्य वर्ग के लिए है इसलिए इस आरक्षण ड्रा से कोई भी ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ। अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, उपायुक्त विक्रम दराडे, सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे, चुनाव विभाग के सहायक आयुक्त अजीत महाडिक, प्रभाग अधिकारी गिरीश गोष्टेकर ने इस आरक्षण ड्रा के संचालन में विशेष सहायता प्रदान की। इस आरक्षण ड्रा के परिणाम राज्य चुनाव आयोग को अनुमोदन के लिए भेजे गए हैं। उक्त जानकारी भिवंडी मनपा के जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी ने दी है।

महेश गायकवाड़ के हाथों भालगांव में बुनियादी सुविधाओं का लोकार्पण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण लोकसभा के सांसद डॉक्टर श्रीकांत शिंदे के प्रयासों से मलंग रोड स्थित भालगांव में बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए 1.71 करोड़ रुपये की निधि मंजूर की गई थी। इसमें कंक्रीटीकरण सड़क, पथदीप (सड़क लाइट), नाली (गटर) और जलवाहिनी बिछाने के काम शामिल हैं। ये सभी विकास कार्य अब पूर्ण हो चुके हैं और शिवसेना के कल्याण पूर्व एवं उल्हासनगर विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ के हाथों इन कार्यों का लोकार्पण

किया गया। पिछले कई दिनों से भालगांव के ग्रामस्थ मंडल ने महेश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में इन कामों के लिए लगातार प्रयास किया था। नागरिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए सांसद डॉक्टर श्रीकांत शिंदे के प्रयासों से ये विकास कार्य साकार हुए हैं। इस अवसर पर ग्रामस्थ मंडल ने सांसद डॉक्टर श्रीकांत शिंदे का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भालगांव के शिवसेना शाखा प्रमुख गणेश म्हात्रे, गिरीश चिकनकर तथा अन्य शिवसेना कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पारदर्शिता को सशक्त बनाने के बैंक की डिजिटल पहलों का अनावरण करने हेतु केंद्रीय सतर्कता आयुक्त ने पीएनबी का दौरा किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में माननीय केंद्रीय सतर्कता आयुक्त प्रवीण कुमार श्रीवास्तव के दौरे के साथ बढ़ी हुई सतर्कता और पारदर्शिता की दिशा में, अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

इस कार्यक्रम के तहत, पीएनबी की विजिलेंस मैनुअल 2025 का 5वाँ संस्करण और त्रैमासिक पत्रिका पीएनबी विजिल का सितंबर 2025 के अंक का अनावरण किया गया। इस अवसर पर एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक (ईडी) बिभु प्रसाद महापात्र, सीवीओ राघवेंद्र कुमार, और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, बैंक ने कई प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया, जिनमें कर्मचारी जवाबदेही पोर्टल का संपूर्ण डिजिटलीकरण, आचरण जोखिम ढाँचा (कर्मचारियों के लिए) और पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) के लिए डिजिटल समाधान शामिल हैं। ये पहल पीएनबी की अपने परिचालन में दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं। इस कार्यक्रम में सतर्कता योद्धाओं को भी सम्मानित किया गया, यह उन कर्मचारियों के अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देने के लिए किया गया जिन्होंने बैंक के नैतिक मूल्यों को बनाए रखने में

असाधारण समर्पण का प्रदर्शन किया है। प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त ने कहाः ₹हमारे समाज का कल्याण , हमारी अर्थव्यवस्था का विकास और आजीविका का सृजन पंजाब नैशनल बैंक जैसे बैंकों द्वारा प्रदान किए गए समर्थन और वित्तपोषण से गहराई से जुड़े हुए हैं। हमारा लक्ष्य सतर्कता की ऐसी संस्कृति का निर्माण करना है जहाँ कार्य दंड के भय से नहीं, बल्कि सही काम करने की प्रतिबद्धता से प्रेरित हों। यह संस्कृति व्यक्ति, संगठन और समाज को बड़े पैमाने पर लाभान्वित करती है, जिससे बैंक, अर्थव्यवस्था और अंततः राष्ट्र के विकास में योगदान मिलता है, क्योंकि हम 2047 तक 'विकसित भारत' की दिशा में काम कर रहे हैं।

श्री अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ, पीएनबी, ने कहाः ₹जैसे-जैसे भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अपना मार्ग प्रशस्त कर रहा है ' हम पर, सबसे बड़े बैंकों में से एक के रूप में, जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हम सत्यनिष्ठा, नैतिकता, और पारदर्शिता पर आधारित गुणात्मक, सतत, और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सतर्कता, विशेष रूप से निवारक सतर्कता (प्रिवेंटिव विजिलेंस) , यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि प्रगति सुदृढ़ शासन और जवाबदेही के साथ जुड़ी रहे। इन मूल्यों से प्रेरित होकर, पीएनबी विश्वास और नैतिक उत्कृष्टता के माध्यम से भारत की विकास यात्रा का समर्थन करने के लिए समर्पित है। श्री राघवेंद्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), पीएनबी, ने कहाः ₹इन डिजिटल पहलों का शुभारंभ पारदर्शिता और ज़िम्मेदारी की संस्कृति के निर्माण के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। अपने सतर्कता ढाँचे के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके, हम न केवल परिचालन दक्षता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि विश्वसनीयता बैंक के भीतर हर प्रक्रिया की आधारशिला बनी रहे।

9% कर्मचारी चाहते हैं ऐसे कार्यालय, जो घर जैसा महसूस कराए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का एक प्रमुख फर्नीचर ब्रांड, इंटरियो बाय गॉदरेज ने अपने नवीनतम शोध अध्ययन सोशल ऑफिस की पुनर्कल्पनाः हाइब्रिड कार्यस्थलों की वास्तविकता (सोशल ऑफिस रीइमेजिन्डः रियलिटी ऑफ हाइब्रिड वर्कस्पेसेस) के निष्कर्षों को प्रकाशित किया है। नवाचार और सहयोग में भौतिक कार्यालयों की भूमिका पर चल रही बहस को समझने के लिए, इंटरियो में कार्यक्षेत्र और एर्गोनॉमिक्स अनुसंधान प्रकोष्ठ (रिसर्च सेल) ने उपयोगकर्ता के कार्य पैटर्न, उनकी जरूरतों और कार्यालय से काम करते समय उनकी अपेक्षाओं को समझने के लिए देशव्यापी अध्ययन किया और श्वेत पत्र (व्हाइटपेपर) में विस्तृत उपयुक्त समाधानों का सुझाव दिया। यह सर्वे भारतभर में 350 कर्मचारियों के बीच किया गया, जो 50 से अधिक कार्यालयों और विभिन्न उद्योगों में कार्यरत थे, ताकि उनके कार्य पैटर्न, आवश्यकताओं और कार्यालय से काम करने के दौरान उनकी अपेक्षाओं को समझा जा सके। यह सर्वेक्षण हाइब्रिड कार्यस्थलों में प्रचलित 5 अलग-अलग प्रकारों (टाइपॉलॉजिज) की पहचान करता है। अध्ययन के अनुसार, भारत का कार्यबल (वर्कफोर्स) तीन अलग-अलग मॉडलों में विभाजित हैः 42.1% लोग केवल ऑफिस से, 10.5% पूरी तरह घर

से, और 47.4% घर और ऑफिस दोनों से काम करते हैं। अपनी प्राथमिकताओं को बताते हुए, कर्मचारियों ने सहयोग और सामूहिक गतिविधियों के लिए ऑफिस की ओर रुझान दिखाया। लगभग 77% नए जॉइनर्स और 75% वरिष्ठ कर्मचारी टीम सहयोग, मार्गदर्शन और नेटवर्किंग के लिए कार्यालय से काम करने को प्राथमिकता देते हैं। इन निष्कर्षों पर टिप्पणी करते हुए, समीर जोशी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड ऑफ बी2बी बिजनेस, इंटरियो बाय गोदरेज, ने कहा, हाइब्रिड कार्य अब केवल एक ट्रेंड नहीं है, यह नई वास्तविकता है। हमारा शोध दिखाता है कि कर्मचारी चाहते हैं कि कार्यालय सिर्फ.काम करने की जगहों से कहीं ज्यादा हों।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर में स्कूल बस की चपेट में आने से 12वीं कक्षा के छात्र की मौत, दूसरा घायल

परिजनों में मचा कोहराम

रियाजुल हक

तेजीबाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत चितांवा रोड़ पर स्कूल बस की चपेट में आने से 12वीं कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई वहीं हादसे में दूसरा छात्र घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार गौरा कलां गांव निवासी सत्यम सरोज पुत्र शैलेंद्र सरोज उर्फ ठेगई उम्र करीब 18वर्ष और मरगुपुर गांव निवासी अंश सिंह पुत्र मंतोष सिंह उम्र करीब 18वर्ष पल्सर बाइक से जी एस स्कूल की तरफ जा रहे थे, इसी दौरान उनके आगे चल रही रीसेंट पब्लिक स्कूल की बस यूपी 62बीटी 6342 की चपेट में आ गए। दुर्घटना में सत्यम सरोज गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मृत्यु हो गई, वहीं अंश सिंह घायल हो गए, मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातम छाया हुआ है। इस संबंध में पूछे जाने पर तेजीबाजार थानाध्यक्ष सतेन्द्र भाई पटेल ने बताया कि इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर पोस्टमोर्डम की कार्यवाही की गई हैं।

प्राइवेट बस की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत, परिजन में कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजी बाजार थाना क्षेत्र के रसकेपुर बाजार में मंगलवार की सुबह 9 बजे एक बाइक से मनोज मिश्रा 30 वर्ष पुत्र स्वर्गीय प्रदीप मिश्रा तथा पीछे बैठा इस्लाम 28 वर्ष पुत्र मोहर्रम शाह बाउद्दीनपुर तेजी बाजार किसी काम से घर से 5 किलोमीटर दूर रसकेपुर जा रहे थे कि सामने से आ रही प्राइवेट बस ने जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मनोज मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई और पीछे बैठा इस्लाम गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इस्लाम को आनन फानन में जिला अस्पताल लाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। तेजी बाजार पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है वहीं ड्राइवर को हिरासत में लिया है। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गाजीपुर के पोस्ता घाट पर डूबे तीन किशोरों में एक का मिला शव

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के पोस्ता घाट पर रविवार शाम गंगा में डूबे तीन किशोरों में से एक हिमांशु मद्धेशिया का शव मंगलवार सुबह बरामद कर लिया गया। यह शव लगभग 42 घंटे बाद सुबह करीब ग्यारह बजे घाट के किनारे मिला। एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के बहादुरगंज नगर पंचायत के छावनी दमकीनगंज निवासी कुंदन कुशवाहा, आदित्य जायसवाल और हिमांशु मद्धेशिया रविवार को पोस्ता घाट पर अपने परिचित महेंद्र जायसवाल के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे। अंतिम संस्कार के बाद तीनों किशोर गंगा स्नान के लिए नदी में उतरे और गहरे पानी में चले जाने से डूब गए। रजागंज चौकी इंचार्ज राजेश कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हिमांशु मद्धेशिया का शव बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कुंदन कुशवाहा और आदित्य जायसवाल नामक दो अन्य किशोरों की तलाश अभी भी जारी है। एसडीआरएफ की टीम गंगा में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। घाट पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली क्षेत्र के प्रमुख स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा दिल्ली में हुई घटना के संबंध में उत्तर प्रदेश में जारी हाई अलर्ट के दृष्टिगत थाना कोतवाली जौनपुर क्षेत्रान्तर्गत पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का व्यापक जायजा लिया गया। दिल्ली में घटित घटना के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी हाई अलर्ट के क्रम में आज दिनांक

11.11.2025 को पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत प्रमुख स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने शहर के भीड़भाड़ वाले बाजारों, प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। तथा वहां पर तैनात पुलिस बल को सतर्क एवं संवेदनशील रहते हुए गश्त एवं चेकिंग में कोई शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह की सूचना पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास एवं सुरक्षा की भावना बनी रहे। पुलिस अधीक्षक जौनपुर महोदय द्वारा थाना कोतवाली पुलिस, सर्विलांस टीम एवं एस0ओ0सी0 टीम को सतर्क दृष्टि बनाए रखने, सीसीटीवी कैमरों की निरंतर मॉनिटरिंग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गश्त व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती करने व जनता से सतर्कता बरतने हेतु अपील की। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसामान्य से अपील की गई कि वे शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। इस दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर व अन्य अधिकारीगण/कर्मचारीगण सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

केराकत में अवैध मेडिकल स्टोरों का है बोलबाला, स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

अधीक्षक कार्रवाई के नाम पर रहते है मौन, धड़ल्ले से चल रहा है अवैध मेडिकल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे मेडिकल स्टोरों पर अब तक ड्रग इंस्पेक्टर और सीएचसी अधीक्षक की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होने से आमजन में आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र में बिना लाइसेंस और आवश्यक योग्यता के कई मेडिकल स्टोर खुलेआम दवा विक्रय कर रहे हैं, जिससे न केवल लोगों की जेबें खाली हो रही हैं, बल्कि उनकी सेहत से भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन अवैध मेडिकल संचालकों द्वारा प्रिंट रेट से अधिक मूल्य पर दवाएं बेची जाती हैं। शिकायतों के बावजूद अभी तक स्वास्थ्य विभाग या ड्रग इंस्पेक्टर की ओर से कोई छापेमारी नहीं की गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे मेडिकल सेंटर भी चल रहे हैं, जहां बिना डिग्री या मेडिकल ज्ञान के लोग दवाएं लिखते और बेचते हैं। ऐसे में मरीजों की जान को गंभीर खतरा बना हुआ है। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन शीघ्र जांच कर अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे।

स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस मामले को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएंगे और जन आंदोलन की राह अपनाएंगे।

अपना नाम न छापने की शर्त पर सूत्रों ने जनता के हित के लिए यह मांग किया गया है। कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाकर बिना लाइसेंस वाले सभी मेडिकल स्टोरों को तुरंत बंद कराया जाए, ताकि जनता को राहत मिल सके।

शरीर, मन और आत्मा का सामंजस्य जरूरी: कुलपति

संतुलित जीवन शैली और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाये: डॉ.दिलीप

मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार विशेष 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग एवं वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार पर छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 नवंबर 2025 तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जा रहा है।

मंगलवार को रज्जू भैया भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि हमें जीवन में केवल खुशी पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, बल्कि जो काम हम कर रहे हैं उसे खुशी के साथ करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब हम पढ़ाई या ज्ञान प्राप्ति जैसे कार्यों को आनंदपूर्वक करते हैं, तो उसकी उत्पादकता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि हमारी लाइफस्टाइल ऐसी होनी चाहिए, जिससे हमारा शरीर, मस्तिष्क और आत्मा तीनों प्रसन्न और समन्वित रहें।

इस कार्यक्रम में जौनपुर जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के विविध पहलुओं पर चर्चा की । मनोचिकित्सक डॉ. दिलीप कुमार चौरसिया ने कहा कि मानसिक रोगों का एक प्रमुख कारण जीवन में अनावश्यक तनाव लेना है। हमें प्रसन्न रहने के लिए संतुलित जीवन शैली और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिये।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट राम प्रकाश पाल ने कहा कि जैसे शारीरिक बीमारियों का इलाज जरूरी है, वैसे ही मानसिक बीमारियों के लिए भी समाज को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा ह्यस्टिग्माह्व (कलंक) तोड़ना जरूरी है।

सामाजिक कार्यकर्ता मनोज वैज्ञानिक विकास सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित अभियान चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार का मानसिक स्वास्थ्य में बड़ा योगदान होता है। उन्होंने झाड़-फूंक जैसी पारंपरिक गलत धारणाओं से बचने की सलाह दी और ह्यटेली-मानसह्व कार्यक्रम की जानकारी दी, जिसके माध्यम से लोग फोन पर मानसिक स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र सोमवार की शाम विश्वविद्यालय परिसर स्थित द्रौपदी महिला छात्रावास में आयोजित किया गया था। समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। डॉ. आयोजन सचिव डॉ.अन्नू त्यागी ने मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार के सिद्धांत लुक, लिसन, लिंक को विस्तार पूर्वक बताया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनोज पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. शशिकांत यादव समेत विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वाराणसी में राउंड टेबल इंडिया की पहल, हिंदू सेवा सदन अस्पताल को दी बायपैप मशीन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।राउंड टेबल इंडिया से संचालित राष्ट्रीय सामाजिक पहल ल्हएअछ (हेल्थकेयर, एजुकेशन, असिस्टेंस एंड लर्निंग) के अंतर्गत एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। हिंदू सेवा सदन हॉस्पिटल, बांसफाटक को एक अत्याधुनिक BiPAP मशीन (बायपैप मशीन) प्रदान की गई। यह मशीन श्वास संबंधी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के इलाज में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, इस उपकरण की उपलब्धता से अब मरीजों को बेहतर एवं त्वरित उपचार मिलेगा, जिससे जीवन रक्षक सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। राउंड टेबल इंडिया के प्रतिनिधियों ने बताया कि HEAL परियोजना के माध्यम से देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक इस योजना के तहत विभिन्न राज्यों के अस्पतालों को अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण जैसे वेंटिलेटर, मॉनिटरिंग सिस्टम, और BiPAP मशीनें प्रदान की जा चुकी हैं। इन पहलों से देशभर में हजारों जरूरतमंद मरीजों को लाभ

नेशनल प्रेसिडेंट रचित बंसल ने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना राउंड टेबल इंडिया का संकल्प है। उन्होंने बताया कि संगठन न केवल स्वास्थ्य बल्कि शिक्षा, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी निरंतर योगदान दे रहा है। उपस्थित अतिथियों ने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में ऐसे प्रयास वाराणसी समेत पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देंगे। इस अवसर पर राउंड टेबल इंडिया के नेशनल प्रेसिडेंट रचित बंसल, एरिया 8 चेयरमैन निखिल अग्रवाल, वाराणसी रॉयल राउंड टेबल 218 (VRLC 218) के चेयरमैन रजत गुप्ता तथा वाराणसी रॉयल लेडीज सर्कल 131 (VRLC 131) की चेयरपर्सन दिव्या पंसारी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आजमगढ़ की बेटी ने मुंबई में हासिल की उपलब्धि

आलिया ने पहले ही प्रयास में सी.ए. की परीक्षा किया उत्तीर्ण

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद आजमगढ़ की बेटी ने मुंबई में किया नाम रोशन आलिया चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की अंतिम परीक्षा पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण कर ली है। उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। आलिया, नूर आलम अजमी की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया।

आलिया ने उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप सम्पादक डॉ.इम्तियाज अहमद से दूरसंचार के माध्यम से बात करते हुए अपनी स्कूली शिक्षा दीक्षा के बारे में विस्तार से बताया। आलिया ने कहा कि हर माता-पिता की यही अपेक्षा होती है कि बच्चों को पढ़ाई का अवसर मिले, क्योंकि शिक्षा ही जीवन की नींव है।आलिया ने बताया कि उनके पिता 90 के दशक में रोजी-रोटी के सिलसिले में मुंबई आ गए थे, जिसके बाद उनका पूरा परिवार मुंबई में ही बस गया।उनकी स्कूली शिक्षा (के.जी. से 10वीं) सेंट लुईस कॉन्वेंट हाई स्कूल से हुई। उन्होंने इंटरमीडिएट मिठीबाई कॉलेज से और स्नातक मुंबई विश्वविद्यालय से पूरा किया। उनके पिता उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के नियौज गांव के मूल निवासी हैं, और उनकी माता तरन्नुम अजमी एक गृहिणी हैं। आलिया अपने भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर हैं। आलिया की इस सफलता पर मुंबई से लेकर उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ स्थित उनके पैतृक गांव नियौज तक बधाई देने वालों का सिलसिला जारी है। उनके मामा नफीस खान (ग्राम भरौली, जौनपुर), डॉ. वकील अहमद मानी कलां और आफताब अहमद, कासिफ, अयान, आजम, साकिब, अफजल हबीब सहित कई लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

जौनपुर कोतवाली पुलिस ने 8 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान एक आरोपी रोहित कुमार पुत्र जद्दू महतो निवासी चांदपुरा चक मकरन्द थाना बिद्दूपुर जनपद वैशाली बिहार को 08 बोतल पैक शुदा मार्का AFTER-DARK BLUE RAREGRAIN WHISK अंग्रेजी शराब कुल 06 लीटर के साथ अन्तर्गत धारा 60 आबकारी अधिनियम गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सुजानगंज पुलिस ने चोरी की घटना का 24 घण्टे के अन्दर किया अनावरण, एक आरोपी को किया गिरफ्तार

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा चोरी की घटना का 24 घण्टे के अन्दर अनावरण करते हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे 01 टिल्लू मोटर व 01 हैण्डपम्प बरामद किया। थानाध्यक्ष फूलचन्द पाण्डेय थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 सुभाषचन्द्र द्विवेदी मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-304/2025 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस में प्रकाश में आये वांछित आरोपी पवन सरोज पुत्र अवधनारायण निवासी ग्राम रामपुर सवई थाना पवारा जनपद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष को दिनांक 10.11.2025 को समय करीब 18.15 बजे बेनीपुर तिराहा से हिरासत पुलिस में लिया गया। तथा आरोपी के कब्जे से चोरी किया हुआ 01 टिल्लू मोटर व 01 हैण्डपम्प बरामद किया गया।

महाविद्यालय की कमेटी के नियंत्रण से हटाया गया बयालसी महाविद्यालय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बयालसी महाविद्यालय जलालपुर जौनपुर में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा-58 (1) के अन्तर्गत क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी वाराणसी को प्राधिकृत नियंत्रक नियुक्त करते हुए महाविद्यालय की जिम्मेदारी दी गई है।

पासपोर्ट वेरिफिकेशन में भ्रष्टाचार का आरोप

मिशन रिमूव करप्शन ने राष्ट्रपति सहित शीर्ष अधिकारियों को भेजा पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन रिमूव करप्शन के संचालक और हिंदुस्तान मानवाधिकार के राष्ट्रीय महासचिव ने राष्ट्रपति सहित शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखा है। इस पत्र में पासपोर्ट आवेदकों से पासपोर्ट सेवा केंद्रों, पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्रों और पुलिस वेरिफिकेशन के नाम पर धन उगाही का आरोप लगाया गया है।यह शिकायत देश के राष्ट्रपति, विदेश मंत्रालय, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, पुलिस महानिदेशक, सीबीआई लखनऊ और जौनपुर के पुलिस अधीक्षक को भेजी गई है। पत्र में कहा गया है कि पासपोर्ट आवेदकों को थानों में वेरिफिकेशन के नाम पर मनमानी रकम देने के लिए मजबूर किया जाता है।पत्र में यह भी बताया गया है कि लगभग दो दशक पहले इसी तरह की शिकायत तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से की गई थी। उस समय जांच में 6 पुलिस और कई एलआईयू अधिकारियों को दोषी पाया गया था। उस समय मीडिया में खबर आने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि पासपोर्ट बनवाने में भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।शिकायतकर्ता के अनुसार, वर्तमान में भी आवेदकों को अपराधी की तरह थानों में वेरिफिकेशन के नाम पर पैसे देने पड़ते हैं। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि रिन्यूअल आवेदकों के लिए पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य नहीं है, फिर भी उनसे पैसे लिए जाते हैं।

असमा इंटर कॉलेज में मनाया गया शिक्षा दिवस

शाही इमाम ने भाईचारे और वफादारी का पैगाम दिया

आफताब आलम

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना स्थित पारकमाल गांव के असमा इंटर कॉलेज में प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती 'शिक्षा दिवस' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कॉलेज के संस्थापक मौलाना डॉक्टर अब्दुल वहीद की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में मौलाना वहीद ने मौलाना आजाद के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मौलाना आजाद ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में यूजीसी जैसे कई महत्वपूर्ण संस्थानों की नींव रखकर शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाई। कार्यक्रम में लखनऊ टीले शाह मस्जिद के शाही इमाम मौलाना फजलूल मन्नान रहमानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि शिक्षा दिवस के अवसर पर वे भारतवर्ष को प्यार, मोहब्बत और देश के प्रति वफादारी के साथ जीवन जीने का संदेश देना चाहते हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि 'हर मस्जिद के नीचे मंदिर ढूंढने' संबंधी संघ प्रमुख का बयान स्वागत योग्य था। इसी कारण उन्होंने मुलाकात कर बातचीत शुरू करने का प्रयास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की छात्रा ओमामा इसरार द्वारा कुरान की तिलावत से हुआ। इसका संचालन कांग्रेस प्रवक्ता हम्माम वहीद ने किया। आसाम कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रभारी इकबाल अहमद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर अम्मार वहीद, शहनवाज नदवी, आजिब एडवोकेट, अदनान, फैजी नोमानी, आसिफ नदवी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन स्थित साइबर सेल का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन स्थित साइबर सेल का निरीक्षण किया गया। मंगलवार को अतीस कुमार सिंह, पुलिस

अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन स्थित साइबर सेल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्रीमान् द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा तकनीकी उपकरणों के सुचारू उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। पुलिस अधीक्षक ने साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर नियंत्रण हेतु त्वरित कार्यवाही करने, शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने तथा आमजन में साइबर जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, साइबर सेल में उपलब्ध तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान द्वारा कार्यालय की साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात माह के दौरान नेहरु बालोद्यान इण्टर कालेज कन्हईपुर में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2025 के दौरान दौरान नेहरु बालोद्यान इण्टर कालेज कन्हईपुर, जौनपुर मे जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जौनपुर शहर क्षेत्र मे बिना नम्बर प्लेट ई-रिक्शा व दोपहिया वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाकर 15 को सीज व 36 पर चालान की कार्यवाही की गयी।। साथ ही पुरे जनपद में यातायात नियमों के उलंघन मे प्रवर्तन की कार्यवाही में 815 वाहनों का चालान किया गया।

आज दिनांक 11.11.2025 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभारी यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2025 के दौरान नेहरु बालोद्यान इण्टर कालेज कन्हईपुर, जौनपुर मे 700 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता कार्यक्रम, क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया। व जौनपुर शहर क्षेत्र मे बिना नम्बर प्लेट ई-रिक्शा व दोपहिया वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाकर 15 को सीज व 36 पर चालान की कार्यवाही की गयी, व लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया साथ ही पुरे जनपद में यातायात नियमों के उलंघन मे प्रवर्तन की कार्यवाही में 815 वाहनों का चालान किया गया।

यातायात माह में दिनांकः 11.11.2025 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही में कुल चालान संख्या-815, बिना हेलमेट वाहन चलाना-431, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना-35, तीन सवारी वाहन चालाना-48, यातायात नियमों का उल्लंघन-24, मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलाना-18, खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोग-36, वाहन में काली फिल्म का प्रयोग-5, बिना डी0एल0 वाहन चलाना-12, वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोग-1, ओवर स्पीड वाहन चलाना-3, नो पार्किंग-65 एवं शेष अन्य धारा मे 137 वाहनों का चालान किया गया।

मुंबई वैद्य सभा द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

आनंद कुमार मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। विगत अनेक वर्षों से मुंबई वैद्य सभा आयुर्वेद जगत के प्रतिष्ठित चिकित्सकों को सम्मानित करने के लिये धन्वन्तरि पुरस्कार प्रदान करती रही है। इस वर्ष भी होटल पार्ले इंटरनेशनल, विले-पार्ले में दिनांक 9 नवंबर 2025 को यह समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डायरेक्टर डॉ.ओमप्रकाश दुबे और विशेष अतिथि श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड के एम. डी. रणजित पुराणिक थे। समारोह का आरंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और डॉ. साक्षी घोलप एवं डॉ. तनुजा सुरनार द्वारा किये गये धन्वंतरि स्तवन से विधि-विधान से हुआ। इस वर्ष का धन्वंतरि पुरस्कार डॉ.आल्हाद परांजपे एवं डॉ. विनोद मेहता तथा लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कार डॉ.सुभाष जोशी को प्रदान किया गया। इस वर्ष इस समारोह की एक विशेष बात यह रही कि मुंबई परिसर की सभी आयुर्वेदिक कॉलेजों के इस वर्ष के अंतिम वर्ष बी.ए.एम.एस. में सर्वोच्च अंक (टोपर्स) प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मान पत्र एवं ग्यारह हजार की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया।

इसके लिये श्री धूतपापेश्वर आयुर्वेद विद्यालय समिति का पूर्ण सहयोग रहा। डॉ.किरण किणी ने समिति की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। पुरस्कार प्राप्त डॉ. परांजपे, डॉ. मेहता और डॉ. जोशी ने अपने-अपने अनुभवों को सभी के साथ साझा किया जो नयी पीढ़ी के

लिए बहुत ही सुन्दर मार्गदर्शन रहेगा।

डॉ. विनोद मेहता ने नयी पीढ़ी से हमेशा आगे बढ़ने और मेहनत करने की सलाह दी। सभी पुरस्कृतों का सम्मान शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं प्रशस्ति पत्र से किया गया। स्वागत भाषण में मुंबई वैद्य सभा के अध्यक्ष डॉ. श्री श्यामसुंदर शर्मा ने आयुर्वेद के सिद्धांतों एवं रोगी की प्रकृति तथा दोषों के आधार पर चिकित्सा करने पर जोर दिया तथा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को और अधिक बढ़ावा देने की बात कही।

संस्था के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र शर्मा ने विगत वर्षों में संस्था द्वारा किये गये अनेक कार्यों पर प्रकाश डाला और भविष्य के लिये शुभकामनाएं प्रदान की।

समारोह के अध्यक्ष डॉ. दुबे ने बहुत ही सुन्दर तरीके से मुंबई वैद्य सभा के 136 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने कहा कि इस संस्था द्वारा पुरस्कृत होना गर्व की बात है। उनका मानना था कि इतने वर्षों तक किसी संस्था द्वारा आयुर्वेद क्षेत्र में स्वयं को स्थापित रखना असंभव को संभव बनाने जैसा कार्य है। जब स्वार्थ न होकर सेवा का भाव हो तो ही यह संभव होता है अन्यथा नहीं। समारोह का संचालन डॉ. तेजस माऊ ने बड़ी ही सरलता, सहजता और आकर्षक तरीके से किया जो उनकी विशेषता है। इस समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए पधारे हुए डॉ. एल डी शुक्ला, डॉ. एच.बी. सिंह, डॉ. रमण मिस्त्री, डॉ. अमर द्विवेदी, डॉ. महेंद्र चतुवेर्दी, डॉ. दिलीप त्रिवेदी, डॉ. ऋजुता दुबे, डॉ. मनन मेहता, डॉ. जान्हवी मेहता, डॉ. युनुस को पुष्पगुच्छ भेंट देकर किया गया।

समारोह को सफल बनाने में डॉ. पूर्णिमा बिडये, डॉ. अंजु चेटिया, डॉ. शिल्पा डोखा, डॉ. विनीत मिश्रा, डॉ. सर्वेश शर्मा, डॉ. वसंत वल्लेपवार, डॉ. एम. पी. शाह का पूर्ण योगदान रहा । कार्यक्रम के अंत में डॉ. हर्षद जोशी ने सभी का धन्यवाद किया। समारोह के आरंभ में सुरुचिपूर्ण भोजन और अंत में हाईटी की सभी ने प्रशंसा की। समारोह का समापन राष्ट्रीय गीत से बड़े ही आदर के साथ संपन्न हुआ।

अभिजीत राणे को दी जन्मदिन की हार्दिक शुभकामना

मुंबई। धडक कामगार युनियन के संस्थापक अध्यक्ष एवं भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष अभिजीत राणे के जन्मदिन उनके जनसंपर्क कार्यालय, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई में बड़ी ही उत्साह और स्नेहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिजीत राणे को जन्मदिन की हार्दिक शुभेच्छाएँ दीं। कार्यक्रम में समाजसेवक, समाजसेविका, परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना (शिदि गट), गृह संकुल महाराष्ट्र व मुंबई की ओर से श्रद्धा गोरगे तथा सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी उपस्थित मेहमानों ने अभिजीत राणे के समाजसेवी कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें दीर्घायु और निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में अभिजीत राणे ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए अल्पाहार (नाश्ता) की व्यवस्था की और सभी का हृदय से स्वागत किया।

नवंबर में आर्ट डेको अलाइव! 25 नवंबर तक चलेगा ट्विन-सिटी फेस्टिवल

मुंबई। मुंबई और मियामी में आर्ट डेको मूवमेंट के 100 साल पूरे होने पर एक अनोखा ट्विन-सिटी फेस्टिवल 6 नवंबर से शुरू हो चुका है और यह 25 नवंबर तक मुंबई में चलेगा। इसे मुंबई की एंटरप्रेन्योर स्मिति कनोडिया ने मियामी की को-फाउंडर्स सलमा मर्चेंट रहमतुल्ला और गायत्री हिंगोरानी दीवान के साथ मिलकर शुरू किया है। यह फेस्टिवल इन दोनों शहरों की साझा आर्किटेक्चरल विरासत को एग्ज़िबिशन, हेरिटेज वॉक, क्यूरेटेड टॉक्स, सेमिनार और शहर में होने वाले कल्चरल एक्टिवेशन के जरिए सेलिब्रेट करता है। शिवाजी पार्क की आर्ट डेको विरासत का एक डॉक्यूमेंटेशन शोकेस, जो खो गई हैं और जो बची हुई हैं। आर्ट डेको अलाइव! निखिल महाशुर एंड एसोसिएट्स के साथ मिलकर द किन होटल, शिवाजी पार्क सी फेस में एक पॉप अप डिस्प्ले लगा रहा है। यह डिस्प्ले आम लोगों के लिए खुला है। ट्विन-सिटी फेस्टिवल में पड़ोस के डेको इतिहास, अब गिरा दी गई हेरिटेज इमारतों के एलिवेशन ड्रॉइंग और बची हुई डेको चीजों और आर्काइव तस्वीरें द किन के डिजाइन स्टोर और रेस्टोरेंट टर्टुलिया में देखने को मिलेंगी।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य का मिला अभूतपूर्व स्नेह और आशीर्वाद

-आदेश मिश्र

नवीमुंबई। नवी मुंबई के खारघर में चल रही श्रीराम कथा के दौरान पद्म विभूषण प्रसिद्ध संत जगद्गुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य महाराज के सान्निध्य में पहुंचे नवभारत के वरिष्ठ पत्रकार राकेश पाण्डेय भावविभोर हो उठे। कथा स्थल पर जब महाराज के उत्तराधिकारी रामचन्द्र महाराज ने राकेश पाण्डेय का परिचय कराया, तो स्वयं जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने उन्हें सीने से लगाकर स्नेह और आशीर्वाद दिया। वरिष्ठ पत्रकार राकेश पाण्डेय ने कहा कि यह मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण था। जब जगद्गुरु महाराज ने स्नेहपूर्वक गले लगाया, तो ऐसा लगा मानो संपूर्ण आशीर्वाद की वर्षा हो रही हो। ऐसे विरले संतों का दर्शन मात्र से मन को शांति मिलती है। उनके सान्निध्य में बैठना किसी सौभाग्य से कम नहीं। नवी मुंबई खारघर की यह श्रीराम कथा मेरे लिए आत्मिक अनुभव बन गई है। वहीं जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कहा ह्लराम कथा का उद्देश्य केवल श्रवण नहीं, बल्कि जीवन में मयार्दा और भक्ति का संचार करना है। पत्रकार समाज को दिशा देने वाले होते हैं, और जब वे धर्म से जुड़ते हैं, तो समाज में सच्चाई और सद्भाव का संदेश और मजबूत होता है। श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करना ही सच्ची भक्ति है। कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी इस आत्मीय क्षण को भावनापूर्ण तालियों से सराहा।

आजमगढ़ में बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, दो की मौत, एक गंभीर

आजमगढ़। जनपद के सरायमीर थाना क्षेत्र के मार्टिनगंज-सिकरौर सड़क मार्ग पर कुरियावा मोड़ के पास सोमवार देर शाम करीब सात बजे दो बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयानक था कि टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे। मृतकों में फूलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भाटीनपारा निवासी 36 वर्षीय सार्जन सोनकर पुत्र कोमल और 36 वर्षीय राजेश राजभर पुत्र रामसमुझ ग्राम बर्रा, थाना बरदह शामिल हैं। राजेश की 32 वर्षीय पत्नी भी बाइक पर सवार थीं, जो घायल हो गईं। दूसरी बाइक पर सवार 18 वर्षीय पीयूष सोनकर पुत्र दशरथ ग्राम भाटीनपारा भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

घायलों को तत्काल मार्टिनगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सार्जन सोनकर और राजेश राजभर को मृत घोषित कर दिया। पीयूष सोनकर की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए और रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मौके पर पहुंची सरायमीर पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

किसान कर रहे आधुनिक तरीके से पपीते की खेती

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड स्थित मर्दान पुर गांव स्थित कृष्णा नर्सरी में किसान अब पपीते की उन्नत प्रजातियों की खेती और पौध तैयार कर रहे हैं। यहां रेड लेडी-786 एफ 1, उभयलिंगी अर्का प्रभात और अर्का सूर्या जैसी (बाइसेक्शुअल) किस्मों की नर्सरी तैयार की जा रही है, जो एक ही पौधे पर नर और मादा दोनों प्रकार के फूल देती हैं। नर्सरी संचालक कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि इन प्रजातियों की उपज अधिक और स्वाद उत्तम होता है, जिससे बाजार में इसकी मांग बनी रहती है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि खेती में मेहनत के साथ प्रजाति का चयन सोच-समझकर करें और नई तकनीक अपनाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि मिट्टी की जांच, मल्चिंग और ड्रिप एरिगेशन प्रणाली का पपीता की खेती उपयोग कर किसान अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल स्थानीय स्तर पर फल उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

महाराजगंज बाजार में पार्किंग की व्यवस्था नहीं,बाजार आनेवाले लोग मजबूरन सड़क किनारे लगाते हैं वाहन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर के बाजार में दारौंदा-महाराजगंज का सड़क के कुछ साल पूर्व चौड़ीकरण पूर्ण किया गया है। बाजार में अच्छे - अच्छे दुकान, मॉल व मार्केट हैं। लेकिन, मुख्य सड़क का बाजार में वाहन पार्किंग की व्यवस्था नहीं रहने से खरीदारों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। बाजार में सुबह से देर -रात तक खरीदारों की भीड़ लगी रहती है। बाजार करने आए दूर के ग्रामीण वाहन लेकर आते है। लेकिन पार्किंग की व्यवस्था नहीं रहने के कारण लोग अपनी बाइक व अन्य वाहन सड़कों के किनारे खड़ा कर देते हैं। दुकानदार भी अपनी बाइक को दुकान के सामने फुटपाथ पर खड़ा कर देते हैं। दोपहर होते ही फुटपाथ पर चाउमिन, पकौड़ा, फल, सब्जी आदि विक्रेताओं के ठेला सहित अन्य सामग्री की अस्थायी दुकानें भी सज जाती हैं। इससे शाहिद फुलेना चौक , हल्दी हटा चौक सीहौता, राजेंद्र चौक महाराजगंज, केनरा बैंक शहर का मुख्य बाजार अतिक्रमण का शिकार हो जाता है। बाजार में जाम की स्थिति बन जाती है। इसके कारण इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय प्रशासन द्वारा फुटपाथी अस्थायी दुकानदारों को विकल्प के तौर पर कोई जगह उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। जिससे इन दुकानदारों को सड़क के फुटपाथ पर दुकान लगाना मजबूरी बन गया है। लगभग सात माह पूर्व पुलिस और प्रशासन की टीम ने फुटपाथी दुकानदारों को सड़क किनारे बने नाले के पीछे

दुकान लगाने को कहा गया था। लेकिन नाली ऊंची होने के साथ ही पीछे जगह नही होने के कारण फुटपाथ पर दुकान लगाना मजबूरी बन गया है। महाराजगंज बाजार के कई ग्रामीणों दुकानदारों ने ने बताया कि बाजार में वाहन पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। स्थानीय प्रशासन द्वारा भी बाजार लगाने व पार्किंग की व्यवस्था को ले कोई वैकल्पिक व्यवस्था नही किए जाने के कारण ,साथ ही बाइकों की चोरी होने के डर से बाइक को दुकान के सामने फुटपाथ पर मजबूरन खड़ा करना पड़ता है। सरकारी स्तर पर बाजार में वाहन पार्किंग की व्यवस्था होनी चाहिए। तभी इस समस्या से निजात मिल सकेगा। इसको लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है।

राजू राठौर के जन्मदिन पर लगा बधाइयों का तांता

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। 10 नवम्बर,अंधेरी पूर्व स्थित पल्लवी होटल में ≈न्यूज वाल्यूम≈ पत्रिका के संपादक एवं आर. टी. आई. एक्टिविस्ट समाज सेवक राजू राठौर का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया।इस अवसर पर सामाजिक, पत्रकारिता और औद्योगिक क्षेत्र के प्रमुख लोगों ने उपस्थित रहकर राजू राठौर को जन्मदिन की बधाई एवं उनके सुखी, यशमय दीर्घ जीवन की शुभकामनाएं दी। देर शाम तक बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।लोगों के इस प्यार से अभिभूत राजू राठौर ने सभी स्नेहियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि जीवन में मुझे जो कुछ भी ईश्वरी कृपा,श्रेष्ठ जनों के आशीर्वाद और स्नेह से प्राप्त हुआ है उसे मै अपने सामर्थ्य के अनुसार सामाजिक सेवा- सहयोग कार्यों में लगाकर आत्मीय सुख की अनुभूति करता हूँ इसे मै आजीवन करता रहूंगा क्योंकि मानव सेवा ही माधव सेवा है इसमें ही हमारे जीवन की सार्थकता निहित है। इस अवसर पर समाजसेवी एवं ≈सिटी न्यूज≈ चैनल के डायरेक्टर प्रमोद पाण्डे,पत्रकार उत्तम पांडे,वरिष्ठ पत्रकार शीतला प्रसाद सरोज, यशोमणि समाचार पत्र के संपादक ओ. पी. तिवारी,उद्योगपति दीपक गुप्ता, पत्रकार एवं एडवोकेट संदीप शुक्ला,ए टी. न्यूज के संपादक किशोर यादव,पी7 न्यूज चैनल के संपादक प्रमोद सिंह, सौराष्ट्र भारत समाचार पत्र के संपादक के.पी तिवारी,पत्रकार भालचंद नेमाने,पत्रकार राकेश सिंह,समाज सेवक विजय सिंह, दिनेश सिंह मिडिया प्रभारी, राजकपूर दुबे, रंजीत दुबे, रमेश चौबे, दिनेश प्रताप सिंह, राहुल बोदोडे, विनोद राजभर, अजय चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी,नरेंद्र शुक्ला, रोहित रावल,मंगेश परब, ज्ञानेश गुरव रोशन राऊत, रवीन्द्र कपूर, राजू, दीपक नार्वेकर, रवीन्द्र हत्तरकी,प्रमोद वाघमारे, संकेत यादव, समाज सेविका जसवंती वर्धराज एवं कलप्पा तोड़करी सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सब्जियों की अधिक पैदावार के लिए रासायन का हो रहा है प्रयोग, रासायनिक केमिकल के छिड़काव से सब्जियों में ग्रोथ

वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज क्षेत्र में सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के लिए ज्यादातर सब्जी के खेती करने वाले किसान रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल कर रहे है। सब्जियों पर छिड़का जाने वाला केमिकल कोई साधारण केमिकल नहीं होता है। इसका प्रभाव इतना होता है कि यह उत्पादन तेजी से बढ़ा देता है। यहीं नहीं सब्जियों पर छिड़के जाने वाला यह केमिकल या इंजेक्शन बाजारों में आसानी से मिल भी रहे है। सब्जी के खेती करने वाले कुछ किसानों ने बताया कि समरथ, ब्लिचिंग, निरोकुलॉम आदि केमिकल के छिड़काव करने से सब्जियों में तेज ग्रोथ व फल ज्यादा आते है। तो वहीं कई किसानों ने बताया कि उत्पादन बढ़ाने के लिए इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा रहा है। इसके प्रभाव से सब्जियों में ग्रोथ तीन-चार दिनों में ही देखने को मिल जाते है। वहीं लौकी, करेला, नेनुआ, भिंडी, तरोई जैसे सब्जियों में एक इंजेक्शन लगाते ही ग्रोथ तेजी से बढ़ जाता है। वहीं, जैसे शिमला मिर्च, भिंडी परवल आदि सब्जियों को ताजा रखने के लिए पानी मे केमिकल का छिड़काव भी किया जा रहा है, ताकि सब्जी लंबे समय तक ताजा दिखे, वहीं सब्जियों की चमक बरकरार रखने के लिए मोम का प्रयोग किया जा रहा है। इससे साफ है कि सब्जियों के साथ जो रासायनिक तत्व हमारे शरीर में जा रहे है, वे जानलेवा साबित हो सकते है। क्योंकि सब्जी कारोबारी मुनाफा के चक्कर में लोगों के स्वास्थ्य के बारे में नहीं सोच रहे है। सब्जियों का वास्तविक स्वाद भी बदल रहा है। सब्जी खरीदार बता रहे हैं कि आज के समय में गोबर की खाद के स्थान पर डीएपी तथा कीटनाशक दवाओं का प्रयोग सब्जी कारोबारियों द्वारा किया जा रहा है। इससे सेहत के लिए लाभदायक माने जाने वाली सब्जियां भी अब बीमारियों का कारण बन रही है। इस पर सोचने की जरूरत है। वहीं अशोक सिंह ने बताया कि पहले के समय में लौकी के पत्तों को कीट आदि से बचाने के लिए चूल्हे से निकलने वाले राख का प्रयोग किया जाता था। आज के समय केमिकल युक्त पाउडर का इस्तेमाल होने लगा, तो वहीं सब्जियों के आकार और वजन बढ़ाने को लेकर इंजेक्शन आदि का प्रयोग हो रहे है। जिससे सब्जियों का वास्तविक स्वाद भी बदलने लगा है। वहीं कीटनाशक रसायनों के प्रयोग से सब्जियों की प्राकृतिक शक्ति भी अब समाप्त होती जा रही है। सब्जियों में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स या इंजेक्शन के प्रयोग से शरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ते है। इससे आंखों की रोशनी खराब हो सकती है, तो वहीं बच्चों में असमय शारीरिक विकास होने लगता है। किडनी, त्वचा, कैंसर, लीवर आदि भी प्रभावित होने लगते है। इसलिए किसी भी सब्जी को बनाने के पहले उबले हुए पानी में अच्छी तरह धो लेने से इससे हानि कम होती है।

सोनालीका की गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में एंट्री

पटना (उत्तरशक्ति)। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने बांग्लादेश स्थित डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी ए सीआई मोटर्स लिमिटेड द्वारा एक ही दिन में अब तक की सबसे बड़ी ट्रैक्टर डिलीवरी करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है, जिससे कंपनी की वैश्विक श्रेष्ठता को और अधिक बल मिला है। यह असाधारण उपलब्धि बांग्लादेश के दिनाजपुर में ≈सोनालीकर बिशोजॉय≈ थीम पर आयोजित भव्य समारोह में हासिल हुई ये प्रगति, उत्पादकता और साझेदारी का उत्सव रहा जिसमें 350 ट्रैक्टरों की डिलीवरी सिर्फ 4 घंटे में की गई। इस उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, डॉ. दीपक मित्तल, मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, बांग्लादेश के हमारे डिस्ट्रीब्यूटर ए सी आई मोटर्स द्वारा हासिल किया गया यह नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, हमारे सफर में विश्वास रखने वाले हर किसान और हर साथी के प्रति हमारा आभार है। सोनालीका परिवार का प्रत्येक सदस्य आज गर्वित है, और हम दुनिया भर के किसानों को सशक्त बनाने के अपने मिशन पर कायम हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, गौरव सक्सेना, डायरेक्टर एंड सीईओ - इंटरनेशनल बिजनेस, आई टी एल, ने कहा, बांग्लादेश में हमारे डिस्ट्रीब्यूटर ए सी आई मोटर्स लिमिटेड द्वारा हासिल की गई एक दिन में अब तक की सबसे बड़ी डिलीवरी का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दशार्ता है कि कैसे विश्वास, ग्राहक-केंद्रितता और उद्देश्य एक साथ मिलकर प्रभावशाली रहते हैं।

ड्रम ताओ इंडिया टूर 2025 की घोषणा

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने जापान के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त परफॉर्मेंस समूह ड्रम ताओ के साथ मिलकर ड्रम ताओ इंडिया टूर 2025 की आधिकारिक घोषणा की है। यह सहयोग भारत और जापान के बीच कलात्मक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और साझा सौहार्द को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें परंपरा, रचनात्मकता और आधुनिक अभिव्यक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। टोयोटा की ड्रम ताओ के साथ यह साझेदारी कंपनी के मोबिलिटी फॉर ऑलह्व सिद्धांत को दशार्ती है। यहाँ मोबिलिटी केवल परिवहन या वाहन तक सीमित नहीं है, बल्कि विचारों, कला, भावनाओं और मानवीय आत्मा की गतिशीलता तक विस्तृत है। इस पहल के माध्यम से टोयोटा का उद्देश्य भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक संवाद को गहन बनाना और विशेष रूप से युवाओं को कला और विविध सांस्कृतिक पहचान के प्रति प्रेरित करना है। ड्रम ताओ इंडिया टूर 2025 की शुरूआत 15 नवंबर को शिलांग में आयोजित चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल के भव्य मंचन से होगी। इसके बाद यह टूर वाराणसी, किसामा, दिल्ली, मुंबई, जयपुर, चेन्नई, कोलकाता सहित कुल 14 शहरों का सफर तय करेगा। यह सांस्कृतिक यात्रा 21 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में एक विशेष समापन प्रस्तुति के साथ पूर्ण होगी। टूर की प्रत्येक प्रस्तुति दर्शकों को जापानी वाद्य कला की गहन ऊर्जा, ताल, अनुशासन और सौंदर्य के और निकट लाएगी। साथ ही यह टोयोटा की उस विचारधारा को भी प्रतिबिंबित करती है, जो नवाचार, सहयोग और वैश्विक एकता को संस्कृति के माध्यम से आगे बढ़ाने में विश्वास रखती है - ऐसे मूल्य जिन्हें भारत और जापान दोनों लंबे समय से साझा करते आए हैं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स, सर्विस, यूज्ड कार बिजनेस एवं प्रॉफिट एन्हांसमेंट), श्री वरिंदर वाधवा ने कहा, ड्रम ताओ का भारत में स्वागत करते हुए और उनके साथ सहयोग करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज भारत के युवा, विशेष रूप से जेन जी, संगीत, कला और जीवनशैली के माध्यम से वैश्विक संस्कृतियों से तेजी से जुड़ रहे हैं और इस तरह वे अभिव्यक्ति के नए और ऊजार्वान रूप गढ़ रहे हैं। संगीत स्वयं एक सार्वभौमिक भाषा है, जो विविध अनुभवों को जोड़ती है, रचनात्मकता को प्रेरित करती है और ऊर्जा व आनंद को जन्म देती है। ड्रम ताओ इंडिया टूर के माध्यम से हमारा उद्देश्य देशभर के युवा दर्शकों से संवाद स्थापित करना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव मनाना और उन्हें ताल, प्रस्तुति और साझा कलात्मक अनुभवों की शक्ति से प्रेरित करना है।

संदिग्ध अवस्था में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

हाथरस (उत्तरशक्ति)। हाथरस में सहपऊ क्षेत्र के गांव नगला परसू में 35 वर्षीय रेखा उर्फ राखी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उनका शव अंगोछे के फंदे से पंखे से लटका मिला। मायके वालों ने उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि 10 नवंबर की दोपहर करीब तीन बजे रेखा का किसी बात पर सास, चचिया सास और चचिया ससुर से विवाद हो गया। उन्होंने कमरे में घुसकर अंदर से कुंदी लगा ली और गले में अंगोछे का फंदा बनाकर पंखे से लटक गईं। उस समय उनके पति काम पर गए हुए थे। पुत्र ने भागकर पिता को इसकी सूचना दी। पति ने आकर परिजनों के साथ कमरे का दरवाजा तोड़कर रेखा को फंदे से उतारा और उन्हें सीएचसी ले गए। वहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर शाम मायके वालों ने आकर ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सादाबाद अमित पाठक का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि विवाहिता ने आत्महत्या की है या फिर उसकी हत्या हुई है।

मल्टी-स्टेट मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम EMBED महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से

मुंबई। भारत ने वर्ष 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इसी दिशा में मल्टी-स्टेट मलेरिया एलिमिनेशन प्रोग्राम–EMBED (एलिमिनेशन ऑफ मॉस्किटो बोर्न इंडेमिक डिजीजेज) ने महाराष्ट्र समेत मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में मलेरिया एवं डेंगू के प्रसार पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाया है। कार्यक्रम के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधि और गोदरेज कंन्ज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के अधिकारी उपस्थित रहे। जीसीपीएल इन राज्यों में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सहयोग दे रहा है। EMBED कार्यक्रम के दस वर्षों की उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए, एक तकनीक आधारित नई पहल शुरू की है। इस पहल के अंतर्गत दो अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किए गए हैं- कम्युनिटी हेल्थ वॉलंटियर ऐप और सप्लाई चेन ऐप, जिनका उद्देश्य मलेरिया उन्मूलन की प्रक्रिया को तेज, सटीक और अधिक प्रभावी बनाना है। कम्युनिटी हेल्थ वॉलंटियर ऐप स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों और स्वयंसेवकों को लार्वा व बुखार के सर्वेक्षण को डिजिटल रूप से करने में सक्षम बनाता है। यह ऐप रीयल-टाइम डेटा कैप्चर, डैशबोर्ड, जियो-ट्रैकिंग और ऑटोमेटेड रिमाइंडर जैसी उन्नत सुविधाओं से लैस है, जो हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। वहीं, सप्लाई चेन ऐप दवाओं और डायग्नोस्टिक किट्स के वितरण की पूरी प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल बना देता है। पहले जो मैनुअल प्रणाली देरी और डेटा की कमी से प्रभावित होती थी, अब उसकी जगह रीयल-टाइम डैशबोर्ड, जियो-ट्रैकिंग और ऑटोमेटेड अलर्ट्स ने ले ली है। इससे अधिकारी अब इन्वेंटरी की निगरानी, डिस्ट्रीब्यूशन ट्रैकिंग के साथ ही गांव, ब्लॉक और ज़िला स्तर पर कमी की त्वरित पूर्ति कर सकते हैं, जिससे मलेरिया रोकथाम के सभी आवश्यक साधन समय पर और सुचारू रूप से उपलब्ध हो सकें।

लेसा में 5606 पद समाप्त, 3300 संविदा कर्मियों की छंटनी से हड़कंप

-सुरेश गांधी

वाराणसी। ऊर्जा विभाग की ओर से लागू की गई नई रिस्ट्रक्चरिंग व्यवस्था के चलते लेसा (लखनऊ इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई एडमिनिस्ट्रेशन) में विभिन्न संवर्गों के कुल 5606 पद समाप्त कर दिए गए हैं। इनमें सबसे बड़ी मार संविदा पर कार्यरत करीब 3300 कर्मियों पर पड़ी है, जिनकी नौकरी एक झटके में समाप्त हो गई है। इस निर्णय से न सिर्फ बिजली विभाग में हड़कंप मच गया है, बल्कि राजधानी से लेकर जिलों तक विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है।

संघर्ष समिति द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, 15 मई 2017 के एक शासनादेश के तहत प्रत्येक विद्युत उपकेंद्र पर 36 संविदा कर्मी तैनात होने चाहिए थे। वर्तमान में लेसा में 154 उपकेंद्र संचालित हैं। इस आधार पर 5544 संविदा कर्मियों की आवश्यकता बनती है। लेकिन नई व्यवस्था में 616 गैंग और 391 एसएसओ (सब स्टेशन ऑपरेटर) ही मंजूर किए गए हैं। प्रति गैंग 3 कर्मी होने के हिसाब से केवल 1848 संविदा कर्मी कार्यरत रह जाएंगे। कुल 2239 संविदा कर्मी ही अब लेसा में रहेंगे।

संघर्ष समिति का आरोप है कि यह कदम बिजली क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में माहौल तैयार करने के लिए उठाया गया है। लेसा में पद समाप्त होने की जानकारी सामने आने के बाद बड़ी संख्या में विद्युत कर्मियों ने प्रदर्शन किया। विरोध में प्रदेश के कई ज़िलों–वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ, कानपुर, आगरा–में भी रोष सभाएँ आयोजित की गईं। कर्मचारियों का कहना है बिना विचार-विमर्श और बिना कार्यप्रवाह का मूल्यांकन किए इतने पद खत्म करना न सिर्फ अव्यवहारिक है, बल्कि बिजली उपभोक्ताओं की सेवाओं को भी प्रभावित करेगा।

कर्मचारी नेताओं का कहना है कि यह कटौती सीधे-सीधे संविदा कर्मियों की जीविका पर हमला है, जो पहले से ही न्यूनतम वेतन पर कार्य कर रहे थे। नई संरचना में केवल संविदा कर्मी ही नहीं, बल्कि अधिकारी और तकनीकी पदों में भी व्यापक कटौती की गई है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस निर्णय पर तत्काल रोक लगाने और बिजली व्यवस्था पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप नीति बनाने की मांग की है। समिति ने चेताया है कि यदि पद समाप्त करने और निजीकरण की प्रक्रिया वापस नहीं ली गई, तो संघर्ष तेज किया जाएगा।

विद्युत विभाग द्वारा आवश्यक अपील

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय विद्युत उपकेंद्र उतराई से संबंधित 33 के०वी० लाइन पर 12 नवम्बर 2025 (बुधवार) को मरम्मत कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इस कारण सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक उतराई एवं बरसठी उपकेंद्र क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। विभाग ने बताया कि यह कार्य विद्युत व्यवस्था को और सुचारु एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। विभाग द्वारा नागरिकों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है। जानकारी उपखण्ड अधिकारी, विद्युत वितरण उपखण्ड बरसठी, जौनपुर द्वारा दी गयी है।

भोजपुरी गायक पवन सिंह को मिली अग्रिम जमानत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के अपर सत्र न्यायालय के न्यायाधीश देवकांत शुक्ला की अदालत ने थाना को कैंट में दर्ज एक गंभीर आपराधिक प्रकरण में भोजपुरी गायक पवन सिंह पुत्र रमाशंकर सिंह की ओर से दायर अग्रिम त जमानत प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर लिया। अदालत में नी भोजपुरी गायक पवन सिंह की ओर से वरिष्ठ फौजदारी अधिवक्ता मंगलेश कुमार दुबे, अमन कुमार त्रिपाठी एवं रामानंद पांडेय ने प्रभावी पक्ष रखा। मामले के अनुसार, वादी द्वारा दायर प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि वह नदेसर स्थित अपने होटल व ट्रैवल्स व्यवसाय से जुड़े हैं। वर्ष 2017 में उनकी मुलाकात प्रेमशंकर राय एवं उनकी पत्नी सीमा राय से मुंबई में हुई, जो फिल्म में निर्माण के कार्य में संलग्न थे। उन्होंने वादी को भोजपुरी फिल्म बर में निवेश कर कई गुना मुनाफा कमाने का प्रस्ताव दिया। वादी के अनुसार, वर्ष 2018 में विपक्षीगणों ने भोजपुरी अभिनेता ड पवन सिंह से नदेसर स्थित कार्यालय में मुलाकात कराई और म फिल्म बॉस में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। विश्वास र में आकर वादी ने 732.60 लाख की राशि कंपनी श्रेयस न फिल्म प्राइवेट लिमिटेड के खाते में जमा की। फिल्म निर्माण में लगभग 1.25 करोड़ खर्च किए जाने के बाद जब वादी ने मुनाफे और निवेश की राशि वापस मांगी, तो पहले लाख 12 लाख लौटाने के बाद विपक्षीगणों ने संपर्क तोड़ लिया। बाद में वादी को ज्ञात हुआ कि फिल्म बिक चुकी है, लेकिन उसे न तो निवेश की राशि मिली और न ही लाभ का हिस्सा। वादी का आरोप है कि जब उसने दोबारा पैसे की मांग की, तो विपक्षीगणों ने धमकी दी तथा पवन सिंह द्वारा उसे जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत दर्ज होने के बाद थाना कैंट वाराणसी में पवन सिंह सहित अन्य के विरुद्ध धारा 420, 406, 467, 468, 506 भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

ZEE5 लेकर आया है 'दशावतार' इस शानदार कहानी का प्रीमियर 14 नवंबर को होगा

ठाणे। ZEE5 पर सदियों पुरानी कहानी पर आधारित ड्रामा फि ल्म, दशावतार का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर होने वाला है। सुबोध खानोलकर के डायरेक्शन में बनी इस फि ल्म को ओशन फि ल्म कंपनी व ओशन आर्ट हाउस ने प्रोड्यूस किया है। यह फि ल्म सदियों पुरानी कहानी, इंसानी जज्बातों और शानदार विजुअल्स का बेमिसाल संगम है, जिसमें दिलीप प्रभावलकर, महेश मांजरेकर, भरत जाधव, अभिनय बेर्डे, प्रियदर्शिनी इंदलकर, सिद्धार्थ मेनन, आरती वडगबलकर, रवि काले और विजय केनकरे जैसे मराठी सिनेमा जगत के बेहतरीन कलाकारों ने मुख्य किरदार निभाए हैं।

भगवान विष्णु के दस अवतारों की सदाबहार कहानी को नया रूप देने वाली फि ल्म, दशावतार बुराई पर अच्छाई की जीत और दुनिया में फिर से शांति लाने का प्रतीक है। सेट के बेहद आकर्षक डिजाइन, पारंपरिक वेशभूषा और दर्शकों का मन मोह लेने वाली सिनेमैटोग्राफी के साथ ये फि ल्म, भक्ति, साहस और सांस्कृतिक परंपराओं को बेहतरीन सिनेमाई अंदाज में पेश करती है। दशावतार का प्रीमियर 14 नवंबर को सिर्फ ZEE5 पर होगा।

महाराष्ट्र के कोंकण इलाके पर आधारित ये कहानी बाबुली मेस्त्री (दिलीप प्रभावलकर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बहुत पुराने दशावतारी कलाकार हैं और लोक थिएटर की इस पवित्र परंपरा को बचाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। आँखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होने के बावजूद बाबुली की आस्था कम नहीं हुई और उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन जारी रखा। लेकिन महाशिवरात्रि के मौके पर आखिरी प्रदर्शन के दौरान, जब वे भयंकर रुद्र अवतार धारण करते हैं तब अभिनय और भगवान की शक्ति के बीच का अंतर मिटने लगता है। इसके बाद, आस्था, ज़िम्मेदारी और किस्मत के बीच हमेशा से चले आ रहे टकराव को दिखाने वाले एक ऐसे आध्यात्मिक सफर की शुरुआत होती है, जो जज्बातों से भरी है।

इस मौके पर ZEE5 मराठी की चीफ चैनल ऑफिसर, और मराठी एएफ5 की बिजनेस हेड, वी.आर. हेमा ने कहा, ZEE5 में हम बड़े गर्व के साथ ऐसी कहानियाँ पेश करते हैं, जो महाराष्ट्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का सम्मान करते हुए सिनेमा के जरिए कहानी बयां करने के तरीके को बदल रही हैं। दशावतार मराठी सिनेमा जगत के लिए एक अहम पड़ाव है, क्योंकि बेहद शानदार दृश्यों और दिल की गहराई में बसे जज्बातों से भरपूर दिखाने वाली ये फि ल्म हमें अपनी असली मुद्दों और सदियों पुरानी कहानी के मेल को कला के जरिये दिखाती है। दिलीप सर के दमदार अभिनय, सुबोध खानोलकर के बेहतरीन निर्देशन और सभी कलाकारों के दिल को छू लेने वाले प्रदर्शन से सजी यह फि ल्म एक दिव्य अनुभव है, जिसे हमारे दर्शक हमेशा याद रखेंगे। हमें बेहद खुशी है कि 14 नवंबर को ZEE5 पर विशेष रूप से दशावतार का

संसदीय खेल महोत्सव 2025 युवा शक्ति का उत्सव

वसई। युवा शक्ति का उत्सव देश भर में चल रहे राष्ट्रीय अभियान फिट इंडिया, खेलो इंडिया की प्रेरणा से, युवाओं में खेल प्रेम, स्वास्थ्य और टीम भावना को बढ़ाने के उद्देश्य से सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा के नेतृत्व में आयोजित भव्य खेल महोत्सव संसदीय खेल महोत्सव 2025 पालघर जिले में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महोत्सव का उद्घाटन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री रविंद्र चव्हाण साहब ने किया, जबकि समापन समारोह में महाराष्ट्र के वन मंत्री और पालघर के संरक्षक मंत्री माननीय गणेश नाइक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विक्रमगढ़ विधायक हरिश्चंद्र भोये, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, वसई विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित, बोईसर विधायक विलास तारे, पालघर विधायक राजेंद्र गावित, भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपुरोहित और श्रीमती प्रज्ञा ताई पाटिल उपस्थित थे। पालघर के आर्यन हाई स्कूल ग्राउंड में 2 नवंबर से 6 नवंबर, 2025 तक आयोजित इस महोत्सव ने पूरे जिले में उत्साह, उमंग और एकता का अभूतपूर्व माहौल बनाया। खिलाड़ियों, शिक्षकों, अभिभावकों और नागरिकों की भागीदारी से इस महोत्सव ने पालघर की खेल संस्कृति को एक नई दिशा दी। इस महोत्सव में विभिन्न आयु वर्गों (अंडर-12, अंडर-14, अंडर-17) की 795 टीमों ने भाग लिया, जबकि तालुका और जिला स्तर पर 15672 छात्रों ने समान ऊर्जा के साथ भाग लिया - जिससे ‪‪"संसद खेल महोत्सव" पालघर जिले की युवा शक्ति का सबसे बड़ा समागम बन गया।

बक्सा थाना क्षेत्र के पकड़ी चौराहे पर भीषण सड़क हादसा

बक्सा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के पकड़ी चौराहे पर मंगलवार को एक जबरदस्त सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया और मछली शहर से जौनपुर की ओर जा रहा एक विक्रम (ऑटो-रिक्शा) पलट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मछली शहर की तरफ से जौनपुर जा रहे एक विक्रम से रॉन्ग साइड से आ रहे एक बाइक सवार की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे को बचाने की कोशिश में विक्रम (टेम्पो) के चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे वह अनियंत्रित होकर वहीं पलट गया। गनीमत रही कि विक्रम सवारों को गंभीर चोटें नहीं आईं। एंबुलेंस एमटी महेंद्र गिरी ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए बाइक सवार को तत्काल एंबुलेंस से सदर अस्पताल ले जाया जा रहा है। दुर्घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और यातायात को सामान्य कराया। यह दुर्घटना एक बार फिर यातायात नियमों के उल्लंघन और रॉन्ग साइड ड्राइविंग के खतरों को उजागर करती है।

जौनपुर में प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ कर किया धुनाई किया पुलिस के हवाले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना अंतर्गत एक गांव में रविवार की रात प्रेमी अपने प्रेमिका के घर पहुंचा पति को घर में कुछ खटखट की आवाज आई तो पड़ोसियों को बुलाकर दरवाजा खुलवाया तो प्रेमी भागने लगा ग्रामीणों ने दौड़कर पकड़ लिया और धुनाई किया। पति ने 112 पर सूचना देकर पुलिस के हवाले कर दिया विवाहित एक बच्चे की मां प्रेमी की अभी शादी नहीं हुई। विवाहित प्रेमी एक ही गांव के रहने वाले थे सोमवार को थाने में दोनों पक्षों में दिनभर पंचायत चली लेकिन प्रेमी-प्रेमिका का किसी की बात में मानने को तैयार नहीं हुए। दोनों एक साथ रहने के लिए तैयार हुए पुलिस ने लिखा पढ़ी करके दोनों प्रेमी प्रेम का को घर जाने के लिए छोड़ दिए। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि दोनों एक साथ रहने के लिए राजी हो गए लिखा पढ़ी करवा कर घर भेज दिया गया।

दो गोदाम से 6555 लीटर ब्रांडेड कंपनी का नकली रिफाइंड बरामद, चार हिरासत में

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में ब्रांडेड कंपनियों के स्टिकर और टिन में नकली रिफाइंड भंडारण का एसओजी-2 2 ने खुलासा किया। पहड़िया के अशोक नगर कॉलोनी और सलारपुर के गोदाम में छापा मारकर 437 टिन से 6555 लीटर नकली रिफाइंड तेल मिला। चार आरोपियों को सारनाथ पुलिस ने हिरासत में लिया है। मौके से मालवाहक ऑटो, ब्रांडेड कंपनी के स्टीकर, थ्रीडी स्टीकर, प्रेस मशीन, ग्लू मशीन, मोहर समेत अन्य उपकरण बरामद हुए हैं। खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने मौके से सैंपल भी लिया। डीसीपी क्राइम सरवणन टी. ने बताया कि एसओजी-2 और सारनाथ थाना प्रभारी शिवानंद सिसौदिया को सूचना मिली कि नकली रिफाइंड का भंडारण किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर नकली रिफाइंड की बिक्री हो रही है। मौके से चार लोगों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में मालूम चला कि फॉर्च्यून के रैपर, स्टीकर के जरिए नकली रिफाइंड तैयार कराकर अवैध तरीके से भंडारण किया जा रहा था। बाजार में इसकी बिक्री होती है। गोदाम मालिक के बारे में जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

मुंबई में खयाल का 50Above50 मेगा इवेंट का आयोजन

मुंबई। भारत के वरिष्ठ नागरिक अब जीवन के 50 वर्ष बाद की सबसे जीवंत उत्सव में केंद्र मंच पर आने को तैयार हैं। 15-16 नवंबर 2025 को मुंबई के नेस्को में खयाल 50Above50 मेगा इवेंट का आयोजन होगा–एक दो दिवसीय भव्य आयोजन जो भारत में सक्रिय उम्रदराज जीवनशैली की नई परिभाषा लिखेगा। इस राष्ट्रीय आयोजन में सेलिब्रिटी प्रस्तुतियाँ, इंटरैक्टिव गेम्स, ब्रांड एक्सपो, रोचक गतिविधियाँ और असाधारण प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा, जिससे भारत की 50+ समुदाय को निरंतर मनोरंजन और प्रेरणा मिलेगी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए भारत का नंबर वन ऐप खयाल ने इस सप्ताहांत को क्रियाशीलता, प्रतिभा और उत्साह से भरपूर बनाने के लिए विशेष रूप से तैयार किया है। देशभर से 5000 से अधिक वरिष्ठ नागरिक और उनके परिवार मुंबई में एक उत्सवमय माहौल में जुटेंगे, जहाँ संगीत, हँसी, पुरस्कार, नेटवर्किंग और जश्न के अनगिनत पल होंगे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री और खयाल 50Above50 की ब्रांड एंबेसडर रोहिणी हट्टंगड़ी इस आयोजन का उद्घाटन करेंगी, जो भारत के वरिष्ठ समुदाय की प्रतिभा और ऊर्जा को सम्मान देने की शुरूआत होगी। दोनों दिनों सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलने वाला यह मेगा इवेंट विश्वस्तरीय प्रस्तुतियों, इंटरैक्टिव मनोरंजन और आकर्षक गतिविधियों का रोमांचक संगम पेश करेगा। इसमें कलाकारों की प्रभावशाली सूची शामिल है। ख्याल के संस्थापक और सीईओ, हेमांशु जैन ने कहा, खयाल 50Above50 एक वार्षिक आंदोलन की शुरूआत है, जो एक स्थायी इकोसिस्टम बनाएगा जहां वरिष्ठ नागरिक लगातार क्रिएटिविटी, जुड़ाव और सम्मान के नए रास्ते खोज सकें। यह मेगा इवेंट सक्रिय जीवन का सार है वरिष्ठों और उनके परिवारों को उत्सव, जुड़ाव और समुदाय में एकजुट करता है।

अपने प्यार की भाषा को, प्लैटिनम लव बैंड्स के साथ खास बनाएं

मुंबई। प्लैटिनम लव बैंड्स ने इस शादी के मौसम के लिए अपना नया कलेक्शन लॉन्च किया है। यह कलेक्शन उन खास भावनाओं और समझ को समर्पित है, जो दो लोगों के बीच बिना बोले ही साझा होती है। ऐसा माना जाता है कि हर प्रेम कहानी की अपनी एक अलग भाषा होती है, जिसे दुनिया नहीं समझ पाती। यह कलेक्शन उन नर्म और गहरे रिश्तों को एक ऐसे रूप में पेश करता है, जिसे आप पहन सकते हैं और हमेशा संभाल कर रख सकते हैं।

ये केवल अंगूठियाँ नहीं हैं, आपके प्रेम की वह मौन भाषा है, आपके रिश्ते की वह अनकही कहानी हैं, जो सिर्फ.आप दो दिलों के दरमियान है। यह कलेक्शन उन बारीक और अनकहे संकेतों से प्रेरणा लेता है, जो दो आत्माओं के बीच के सच्चे संबंध को आकार देते हैं। वो निश्छल समझ, वो अनकही धुन, वो अनदेखी लय, जिसमें दो लोग बिना शब्दों के एक-दूसरे को पा लेते हैं। इस कलेक्शन की हर डिजाइन उस कोमल, गहन प्रेम की छवि है, जो केवल नजरों की भाषा और साझा खामोशियों में अपना अर्थ रचती है। 95% शुद्ध प्लैटिनम से बने ये लव बैंड्स उस मजबूत और सच्चे रिश्ते के प्रतीक हैं, जो समय के साथ कभी नहीं बदलते। प्लैटिनम खुद भी अपनी मजबूती और टिकाऊपन के लिए जाना जाता है, और ये बैंड्स उसी भावना को समेटे हैं। इनमें ऐसी डिजाइन्स शामिल हैं, जिनमें दो रास्तों का एक होना दिखाया गया है, और डुअल-टोन काम यह बताता है कि हर रिश्ते में अलग-अलग गुण होते हैं, लेकिन फिर भी उनमें सुंदर तालमेल बना रहता है। साफ-सुथरी लाइनों, नरम घुमावों और डायमंड की हल्की सी चमक इन बैंड्स को एक ऐसा रूप देती है, जो आधुनिक भी है और समय के साथ चलने वाला भी। यानी ये कलेक्शन कला और भावना दोनों का एक खूबसूरत मेल है।

इस नए कलेक्शन में प्लैटिनम से बने अनेक मनोहारी लव बैंड्स शामिल हैं, जहाँ हर डिज़ाइन प्रेम की अपनी अलग भाषा कहती है। प्रेमी जोड़े अपने अनोखे और दुर्लभ संबंध को अभिव्यक्त करने वाले बैंड्स अपनी पसंद और भावना के अनुसार चुन सकते हैं।

डॉ. उमाकान्त बाजपेयी को दी गई श्रद्धांजलि

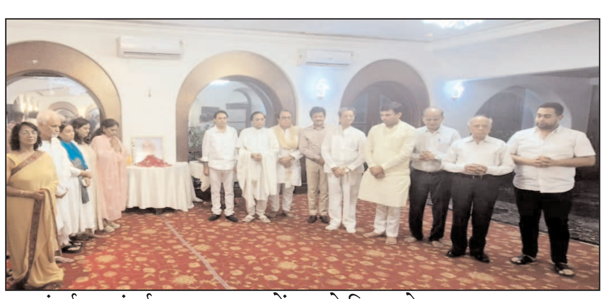

मुंबई। मुंबई महानगर में राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के समर्पित सिपाही और हिन्दी का साथ, हिन्दी का विकास और हिन्दी पर विश्वास के प्रतीक आशीर्वाद के संस्थापक डॉ उमाकान्त बाजपेयी की स्मृति में शहर के लेखक, पत्रकार, गायक, संस्कृति कर्मियों, कलाकारों व राजनेताओं ने जुहू के क्लब मिलेनियम में रविवार 9 नवंबर 2025 को आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बता दें कि डॉ बाजपेयी का 6 नवंबर को निधन हो गया था।

इस अवसर पर पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह, मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक अमित साटम, उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, नगरसेविका सुधा सिंह, रंगकर्मी ओम कटरे, साहित्यकार अभिलाष अवस्थी, डॉ करुणा शंकर उपाध्याय, महेश दुबे, डॉ वागीश सारस्वत, डॉ राधेश्याम गुप्ता, गायक उदित नारायण, बृज मोहन अग्रवाल, संपादक अभिजीत राणे, डॉ बनमाली चतुर्वेदी, राजिल सयानी, मितुल प्रदीप, हरीश भिमानी, वीरेंद्र याग्निक, डॉ मुकेश गौतम, कवि नारायण अग्रवाल, फिल्मकार अशोक पंडित, चैतन्य पादुकोण एड अरविंद तिवारी एड पुनीत चतुर्वेदी, एड विजय सिंह समेत शहर के अनेक प्रतिष्ठित नागरिकों ने डॉ उमाकांत वाजपेयी की हिंदी सेवा व समाज सेवा की मुक्त कंठ से सराहना की।बता दें कि 87 वर्ष के डॉ बाजपेयी ने पिछले कुछ दिनों से अन्न जल त्याग कर 6 नवंबर को स्वेच्छा से गोलोक गमन का रास्ता अख्तियार किया। कार्यक्रम में पुत्रियां नीता, निरुपमा, संगीता, दामाद शेखर आदि परिजनों ने उपस्थितों के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन देवमणि पाण्डेय व राजेश विक्रांत ने किया। इस अवसर पर कृपा शंकर सिंह ने डॉ बाजपेयी की स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए उन पर एक पुस्तक सृजन का सुझाव दिया।

पीयू में महिला सशक्तिकरण पर हुआ निबंध लेखन प्रतियोगिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन के कॉफेंस हाल में मंगलवार को महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार मिशन शक्ति के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के विषय हैं शिक्षित महिला सशक्त समाज तथा तकनीक के माध्यम से महिलाओं की आत्मनिर्भरता और सम्मान / कार्यक्रम का संयोजन गणित विभाग की डॉ. निमिषा यादव द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि विकास के नए आयाम स्थापित करने का आधार है। मिशन शक्ति' जैसी पहल युवाओं के भीतर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करती है और समाज में महिलाओं की भूमिका को मजबूती प्रदान करती है। जनसंचार विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता को सामने लाती हैं, बल्कि वे संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मीडिया और शिक्षा, दोनों ही महिला सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं।

अपराध शाखा वसई ने निर्माण पेशेवरों से स्टील चोरी में शामिल गिरोह के सदस्यों को किया गिरफ्तार

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई में 11 नवंबर 2025 को, एक गोपनीय सूचना के आधार पर, कुछ लोग अग्रवाल नगरी, रोड नंबर 2, अग्रवाल पार्टी लॉन्स हॉल के पास, वसई पूर्व, जिला पालघर के एक खुले मैदान में दो ट्रेलरों से अवैध रूप से स्टील चुराते और उसे एक टाटा ऐस टेम्पो में पलटते हुए पाए गए। कार्रवाई के दौरान, वाडा स्थित रीजेंसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और नालासोपारा स्थित हितेश स्टील सिंडिकेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में उतारने के लिए लाए गए स्टील और अन्य सामग्रियों को निम्नानुसार जब्त किया गया। 1200 किलोग्राम वजन की चोरी हुई स्टील की छड़ें, जिन दो टेलर से चोरी हुई है उनकी कीमत 30,00,000 रुपये है। चोरी का माल ले जाने में प्रयुक्त टेम्पो 10,00,000/ रुपये। मोबाइल फोन और नकद कुल 40,90,900/- रुपये। संबंधित सामान जब्त कर लिया गया है। आरोपियों के नाम और पते इस प्रकार हैं। अच्छेलाल जगमोहन मौर्य, उम्र 55 वर्ष, व्यवसाय स्टील क्रय-विक्रय, निवासी न्यू लिंक रोड, नालासोपारा पूर्व, 2 राकेश रामजीत उपाध्याय, उम्र 34 वर्ष, व्यवसाय ड्राइवर, निवासी श्री रामनगर, संतोष भवन नालासोपारा पूर्व, दीनदयाल लाल बहादुर पांडे, उम्र 39 वर्ष, बिजनेस हेल्पर, निवासी। अम्बाडी नाका, तालुका भिवंडी, जिला. ठाणे, यानूर अफसरअली शेख, उम्र 21 वर्ष, बिजनेस ड्राइवर, निवासी, बिल्डिंग नंबर 76/85, म्हाडा एंटॉप हिल मुंबई। शुभम राजेश सिंग, रा. रूम नं. ६०१, नेप्चुन स्वराज अपार्टमेन्ट, आंबीवली, जि. ठाणे। जावेद साहिद शेख, उम्र 26, बिजनेस ड्राइवर, रु. नलेश्वर नगर, विरार फाटा विरार पूर्व। आरोपियों के खिलाफ आचोले पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 303 (2), 3 (5) के तहत मामला संख्या 458/2025 दर्ज किया गया है और कार्रवाई की गई है। उपरोक्त प्रदर्शन, निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोईफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध), मदन बल्लाल, छठे पुलिस आयुक्त (अपराध), अपराध शाखा 2 वसई इकाई के पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, छठे पुलिस निरीक्षक सोपान पाटिल, पोपनिरी संतोष घाडगे, सह फौज संजय नवले, मुकेश पवार, रवींद्र पवार, चंदन मोरे, पोहवा प्रफुल्ल पाटिल, सचिन पाटिल, जगदीश गोवारी, राहुल करपे, दादा अडके, दिलदार शेख, अनिल साबले ने कारवाई किया।

शिवसेना का मेरा जम्मू-कश्मीर मेरा अधिकार आंदोलन शुरू करने का ऐलान

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने और जनता के संवैधानिक व लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली की मांग को लेकर मेरा जम्मू-कश्मीर मेरा अधिकार आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई में जम्मू-कश्मीर इकाई प्रमुख मनीष साहनी व अन्य नेताओं से मुलाकात कर इस आंदोलन को सड़कों पर ले जाने के निर्देश दिए। साहनी ने बताया कि छह वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस नहीं मिला है और केंद्र सरकार प्रदेश की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, अस्थायी कर्मचारियों की समस्याएं और हाल की प्राकृतिक आपदा के बावजूद राहत न मिलने से जनता परेशान है। भाजपा पर जम्मू-कश्मीर को लावारिस छोड़ने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) अब इन मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर आवाज बुलंद करेगी। इस अवसर पर पूर्व सांसद विनायक राउत भी उपस्थित रहे।